Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 320 | बुधवार, 25 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान से सुरक्षित है भारत की पहचान: योगी

गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान को किया नमन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान से भारत की पहचान सुरक्षित है। देश और धर्म की रक्षा के लिए सिख गुरुओं ने जो बलिदान दिया, वह भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। उनकी परंपरा ने न केवल आस्था और संस्कृति की रक्षा की, बल्कि अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी दिया। जब तक भारत सिख गुरुओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखेगा, दुनिया की कोई भी ताकत भारत का बाल बांका नहीं कर सकेगी।

मुख्यमंत्री मंगलवार को ऐशबाग रोड स्थित डीएवी पीजी कॉलेज मैदान में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 557वें प्रकाश पर्व पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश सरकार और जनता की ओर से सिख समाज को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं। अमृतसर के हेड ग्रंथी ज्ञानी केवल सिंह और सिख समाज के प्रतिनिधियों ने उन्हें अंगवस्त्र ओढ़ाकर तलवार तथा गुरु नानक देव जी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में अमृतसर के हेड ग्रंथी ज्ञानी केवल सिंह, राज्य मंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख, उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परविंदर सिंह, गुरुद्वारा यहियागंज के मुख्य सेवादार डॉ. गुरमीत सिंह, गुरुद्वारा नाका हिंडोला के मुख्य सेवादार डॉ. अमरजोत सिंह, जनरल सेक्रेटरी सरदार मनमीत सिंह, उपाध्यक्ष सरदार हरमिंदर सिंह, सरदार सतबीर सिंह आनंद, सरदार राजू गांधी, सरदार सतनाम सिंह सेठी और पार्षद चरणजीत गांधी सहित बड़ी संख्या में सिख समाज के प्रतिनिधि एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।



सच्ची आध्यात्मिकता अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देती है

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुरु नानक देव जी महाराज ने मानवता को जोड़ने और समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। उन्होंने देशभर में यात्राएं कर 'एक ओंकार' का संदेश दिया। ईश्वर एक है और सभी मनुष्य उसकी संतान हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति समान सम्मान का अधिकारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सच्ची आध्यात्मिकता पलायन नहीं सिखाती, बल्कि अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध निर्भीक होकर खड़े होने की प्रेरणा देती है।

मुख्यमंत्री आवास से पड़ी थी वीर बाल दिवस की नींव

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लखनऊ के गुरुद्वारों के सहयोग से मुख्यमंत्री आवास में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई थी। सात वर्ष पूर्व गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के बाद से मुख्यमंत्री आवास में वीर बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। आज पूरा देश गुरु गोबिंद सिंह जी के चार साहिबजादों के त्याग और बलिदान को नमन कर रहा है। उनका बलिदान युवा पीढ़ी को धर्म, राष्ट्र और मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने सिख समाज को मुख्यधारा से जोड़ा: परविंदर सिंह

उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परविंदर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिख समाज को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है। उनके प्रयासों से सिख समाज में एकजुटता बढ़ी है। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्तिक पूर्णिमा पर तीर्थों में उमड़ा आस्था का सैलाब

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा का दिन अत्यंत पवित्र है। सुबह चार बजे से वह प्रदेश के प्रमुख तीर्थस्थलों की जानकारी ले रहे हैं। मुजफ्फरनगर के शुकतीर्थ में लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान कर रहे हैं। हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर और अमरोहा के तिगरी मेले में 15 लाख से अधिक श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। प्रयागराज, फरुर्खाबाद, अयोध्या और काशी में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुण्य की डुबकी लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी दिन काशी में देव दीपावली मनाई जाती है। मान्यता है कि भगवान शिव ने कार्तिक पूर्णिमा पर त्रिपुरासुर का वध कर धरती को आतंक से मुक्त किया था। इसी पावन अवसर पर गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व आध्यात्मिक महत्व को और बढ़ाता है।

मुख्यमंत्री की दिवंगत माता जी के लिए अरदास का आान

समारोह में राज्य मंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिवंगत माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संगत से अरदास का आान किया। उन्होंने मुख्य ग्रंथी से दिवंगत आत्मा को ईश्वर के श्रीचरणों में स्थान मिलने की प्रार्थना करने का आग्रह किया। साथ ही मुख्यमंत्री के परिवार की कुशलता और देश-प्रदेश की सेवा में उनके निरंतर समर्पण की कामना की।

वैभव सूर्यवंशी ने 52 गेंद पर ठोके 200, क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने मंगलवार (24 नवंबर) को यूएई के खिलाफ एशिया कप राइजिंग स्टार्स मैच में लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 52 गेंद पर 200 रन जड़े। 28 चौके और 7 छक्के लगाए। इससे पहले क्रिकेट इतिहास में किसी भी फॉर्मेट में इतनी कम गेंदों पर दोहरा शतक नहीं लगा था। वैभव ने जिस खिलाड़ी का रिकॉर्ड तोड़ा उसने उनसे 51 गेंद ज्यादा खेली थीं।

वैभव सूर्यवंशी 53 गेंद पर 7 चौके और 28 छक्के की मदद से 204 रन बनाकर आउट हुए। उनका स्ट्राइक रेट 384.91 का रहा। उनका विकेट बशील हमीद को मिला। वैभव की इस पारी की मदद से इंडिया ए ने 250 रनों के लक्ष्य को 14.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। इंडिया ए ने यूएई को 7 विकेट से हराया।

चैड बोक्स का रिकॉर्ड तोड़ा

वैभव सूर्यवंशी ने इस पारी के दौरान के लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने 28 गेंद पर शतक पूरा किया था। इसके बाद उन्होंने 52 गेंद पर दोहरा शतक जड़ साउथ अफ्रीका के चैड बोक्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने 103 गेंद पर दोहरा शतक जड़ा था। इस दौरान वैभव के नाम एक पारी में सबसे ज्यादा चौके का भी रिकॉर्ड हो गया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के डार्सी शॉर्ट का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2018 में 23 छक्के लगाए थे।



सबसे तेज लिस्ट ए दोहरा शतक

52 गेंदें- वैभव सूर्यवंशी
103 गेंदें- चाड बोवेस
114 गेंदें- ट्रैविस हेड
114 गेंदें- एन जगदीसन
114 गेंदें- हैरी ब्रूक

यूपी चुनाव: समाजवादी पार्टी ने ऑफर की ये 26 सीटें, कांग्रेस कर रही 131 की मांग



वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन के तहत सीट बंटवारे की बातचीत चल रही है। इस दौरान समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को 26 विधानसभा सीटें देने का प्रस्ताव रखा है। साथ ही, समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस से उन अन्य सीटों के बारे में भी जानकारी मांगी है, जिनकी उसने मांग की है, जैसे कि वहां कांग्रेस के जीतने की कितनी संभावना है और उनके संभावित उम्मीदवार कौन हो सकते हैं।

इस प्रस्ताव में वे 2 सीटें भी शामिल हैं, जिन पर कांग्रेस ने 2022 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी और 4 ऐसी सीटें भी हैं जहां वह दूसरे नंबर पर रही थी। इनके अलावा 20 और विधानसभा सीटों को भी समाजवादी पार्टी के इस प्रस्ताव में शामिल किया गया है।

सपा ने कांग्रेस को कौन सी 26 सीटें देने का प्रस्ताव दिया है? समाजवादी पार्टी की ओर से बाकी प्रस्तावित सीटें बागपत, मोदीनगर, हापुड़, जेवर, स्याना, खुर्जा, खैर, इगलास, मांट, आगरा उत्तर, फतेहपुर सीकरी, बिलग्राम-मल्लावां, गोविंद नगर, नानपारा, गोरखपुर शहरी, खजनी, पडरौना, फाजिलनगर, पिंडरा और वाराणसी कैंट हैं।

अवधेश प्रसाद को सपा ने समिति में शामिल किया

समाजवादी पार्टी के सूत्र ने बताया कि फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद को कांग्रेस के साथ सीट-बंटवारे पर बातचीत करने वाली पार्टी की समिति में शामिल किया गया है। प्रसाद एक दलित हैं और उन्हें समिति में शामिल करने का मकसद 'पीडीए' (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक - जो समाजवादी पार्टी द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक शब्द है) का प्रतिनिधित्व पूरा करना है। समिति के अन्य सदस्यों में वरिष्ठ नेता और अखिलेश यादव के चाचा राम गोपाल यादव, सांसद इकरा चौधरी और राजीव राय, तथा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल शामिल हैं। कांग्रेस ने इस बातचीत के लिए यूपी के एआईसीसी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद और विधायक वीरेंद्र चौधरी को चुना है। शुरूआत में कांग्रेस ने 181 सीटों की एक सूची सौंपी थी, लेकिन राज्य चुनावों में कांग्रेस के पिछले प्रदर्शन को देखते हुए समाजवादी पार्टी इतनी बड़ी हिस्सेदारी देने को लेकर हिचकिचा रही थी।

शिरोमणि अकाली दल की राजग में वापसी

पंजाब में भाजपा के साथ मिल कर लड़ेगा चुनाव

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल छह साल बाद मंगलवार को एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गया और उसने पंजाब में विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ने की घोषणा की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने मंगलवार को यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इस संबंध में घोषणा की। अकाली दल ने मोदी सरकार के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ सितंबर 2020 में भाजपा से अपना 24 साल पुराना नाता तोड़ लिया था। अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा भी दे दिया था। मोदी सरकार ने बाद में उन तीनों कानूनों को निरस्त कर दिया था।



श्री बादल ने कहा कि यह महज एक राजनीतिक समझौता नहीं, बल्कि पंजाब के हित में बना एक 'भावनात्मक गठबंधन' है। उन्होंने कहा कि अकाली दल कोई नया राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि 106 वर्षों के गौरवशाली इतिहास के साथ भारत की सबसे पुरानी पार्टियों में से एक है। देश की आजादी के संग्राम से लेकर पंजाब की प्रगति और कल्याण तक में इस ऐतिहासिक पार्टी का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह गठबंधन राज्य की सुख-शांति, समृद्धि और विकास को समर्पित है।

भाजपा और अकाली दल के शीर्ष नेताओं की उपस्थिति में श्री शाह ने अकाली दल के राजग में पुनः शामिल होने की घोषणा की। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा, जब पूरा देश श्री गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व मना रहा है, ऐसे समय में हम सभी के लिए आनंद का विषय है कि हमारा सबसे पुराना साथी शिरोमणि अकाली दल फिर से हमारे साथ आया है। उन्होंने श्री बादल और अकाली दल के सभी नेताओं का राजग में स्वागत किया। श्री शाह ने कहा कि पंजाब में आगामी विधानसभा का चुनाव भाजपा और अकाली दल मिलकर लड़ेंगे और आज से अकाली दल राजग के साथी के रूप में काम करेगा। गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे के बारे में बातचीत बाद में होगी।

श्री नवीन ने कहा कि पंजाब और देश के हित में एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा रहा है। प्रकाश पर्व के अवसर पर पूरे पंजाब में विकास, न्याय और सुशासन का प्रकाश फैलेगा। उन्होंने कहा, मैं सुखबीर सिंह बादल जी और उनकी पार्टी के सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। राजग गठबंधन में आपके शामिल होने से हमें मजबूती मिलेगी। हम पंजाब के युवाओं के लिए उनके अपने राज्य में रोजगार के अवसर पैदा करने, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और विकासोन्मुखी सरकार बनाने का संकल्प लेते हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, हम पंजाब को (जिसका साहस, वीरता, समृद्धि और बहादुर सपूतों का गौरवशाली इतिहास रहा है) एक विकसित राज्य बनाने की दिशा में आगे ले जाएंगे। एक विकसित पंजाब, 'विकसित भारत' के निर्माण के सपने में अमूल्य योगदान देगा। उन्होंने कहा कि हिंदू-सिख एकता का विषय सिख गुरुओं द्वारा दिए गए बलिदानों से भी जुड़ा है। वर्ष 1675 में गुरु तेग बहादुर जी ने कश्मीरी पंडितों की रक्षा करने और धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उन्होंने कहा कि इसी बलिदान ने उन्हें वह सम्मान और आदर दिलाया, जो हिंदू-सिख सद्भाव से जुड़ा है। श्री नवीन ने कहा, आज, मुझे विश्वास है कि हम इन संदेशों को समाज और पूरे पंजाब तक पहुंचाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से सिख समुदाय के सम्मान और पंजाब के विकास के लिए लगातार योगदान दिया है, उससे मुझे बहुत भरोसा मिलता है।

आंकड़ों की सुरक्षा को लेकर सेना सख्त: फेसबुक, ट्रूकॉलर और स्नैपचैट समेत 87 मोबाइल ऐप पर प्रतिबंध

सैनिकों, जवानों और अधिकारियों को प्रतिबंधित अनुप्रयोगों का इस्तेमाल नहीं करने की हिदायत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने आंकड़ों की सुरक्षा और संवेदनशील सैन्य जानकारियों के संभावित दुरुपयोग को देखते हुए अपने सभी सैन्यकर्मियों के लिए 87 मोबाइल अनुप्रयोगों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया है। इस सूची में फेसबुक, स्नैपचैट, टिकटॉक, पबजी और ट्रूकॉलर सहित संदेश भेजने, सामाजिक संपर्क, खरीदारी, खेल, मनोरंजन और अन्य सेवाओं से जुड़े कई लोकप्रिय अनुप्रयोग शामिल हैं।

सेना की ओर से जारी परामर्श में सैनिकों, जवानों और अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने मोबाइल उपकरणों पर प्रतिबंधित अनुप्रयोगों का इस्तेमाल न करें। सेना का मानना है कि इन अनुप्रयोगों के माध्यम से व्यक्तिगत और संवेदनशील जानकारियां अनधिकृत लोगों तक पहुंचने तथा उनका दुरुपयोग होने का खतरा पैदा हो सकता है। इस कदम का उद्देश्य सैन्यकर्मियों की व्यक्तिगत जानकारियों के साथ-साथ देश की सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय सूचनाओं को सुरक्षित रखना है।



प्रतिबंधित अनुप्रयोगों की सूची में संदेश भेजने और बातचीत के लिए इस्तेमाल होने वाले वीचैट, क्यूक्यू, किक, ऊवू, निम्बज, हेलो, क्यूजोन, शेयरचैट, वाइबर, लाइन, इमो, स्नो, टोटॉक और हाइक जैसे मंच शामिल हैं। वहीं, सामाजिक संपर्क और मित्रता बढ़ाने वाले मंचों में फेसबुक, स्नैपचैट, टिंडर, ट्रूलीमैडली, हैपन, आइल, कॉफी मीट्स बैगेल, वू, ओकेक्यूपिड, हिंज, बम्बल, बादू, अजार, टैंटन, एलीट सिंगल्स और टैग्ड के नाम शामिल हैं। इसी तरह एक मोबाइल से दूसरे मोबाइल में सामग्री भेजने वाले शेयरइट, जेंडर और जैप्या पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। वीडियो देखने, बनाने और प्रसारित करने वाले अनुप्रयोगों में टिकटॉक, लाइकी, समोसा, क्वाई, लाइवमी, बिगो लाइव, जूम, फास्ट फिल्म्स, वीमेट, अपलाइव और विगो वीडियो शामिल हैं।

ऑनलाइन खरीदारी से जुड़े अनुप्रयोगों पर भी सेना ने सख्ती दिखाई है। प्रतिबंधित सूची में क्लब फैक्ट्री, अलीएक्सप्रेस, चाइनाब्रांड्स, गियरबेस्ट, बैंगगुड, मिनीइनदबॉक्स, टाइनीडील, डीएचगेट, लाइटइनदबॉक्स, डीएक्स, एरिकड्रेस, जाफुल, टीबीड्रेस, मॉडली, रोजगल, शीन और रोमवे जैसे नाम शामिल हैं। खेल और मनोरंजन से जुड़े अनुप्रयोगों में पबजी, नोनो लाइव, क्लैश ऑफ किंग्स, टेनसेंट गेमिंग और मोबाइल लेजेंड्स को भी प्रतिबंधित किया गया है। इसके अतिरिक्त दस्तावेजों को स्कैन करने वाले कैमस्कैनर, तस्वीरों को सुंदर बनाने वाले ब्यूटी प्लस और फोन नंबरों की पहचान करने वाले ट्रूकॉलर पर भी रोक लगाई गई है। अन्य प्रतिबंधित अनुप्रयोगों में यूसी ब्राउजर, यूसी ब्राउजर मिनी, न्यूजडॉग, डेलीहंट, टम्बलर, रेडिट, येल्प, 360 सिक्योरिटी, वोकल, हंगामा और सॉन्ग्स डॉट पीके शामिल हैं। सेना का यह कदम बदलते समय में डिजिटल सुरक्षा के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है। सैन्यकर्मियों के मोबाइल फोन में मौजूद सामान्य जानकारियां भी कई बार संवेदनशील सूचनाओं तक पहुंचने का माध्यम बन सकती हैं। ऐसे में सामाजिक संपर्क मंचों, संदेश सेवाओं और अन्य अनुप्रयोगों के इस्तेमाल पर नियंत्रण को सैन्य सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यूपी विधानसभा चुनाव के लिए सपा ने जारी की उम्मीदवारों की पहली लिस्ट



किसे कहां से मिला टिकट

सीट का नाम (जिले का नाम)	उम्मीदवार का नाम
बेहट (सहारनपुर)	उमर अली खान
सहारनपुर देहात (सहारनपुर)	आशु मलिक
कैराना (शामली)	नाहिद हसन
अमरोहा (अमरोहा)	महबूब अली
ललितपुर (ललितपुर)	ज्योति लोधी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कुछ महीने का समय बाकी है। इस बीच समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन के तहत सीट शेयरिंग की घोषणा से पहले ही पांच उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। समाजवादी पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से पांच उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की गई। सबसे अहम बात कि पांच में से चार उम्मीदवार वर्तमान में सिटिंग विधायक हैं और उन पर पार्टी ने फिर से भरोसा जताया है। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पर एक पोस्ट में कहा, 'इस बार एक ऐतिहासिक अवसर है जब हम दोनों पंथनिरपेक्ष पार्टियां मिलकर साम्प्रदायिक भाजपा और उनके संकीर्ण सोच के साथियों को हमेशा के लिए हराकर, देश को गलत हाथों में जाकर बर्बाद होने से बचा सकते हैं। हम चाहते हैं कि आप और हम जन-अपेक्षाओं व वास्तविकताओं को समझकर गंभीर विचार-विमर्श करें जिससे अधिकांश सीटों पर अपने 'गठबंधन' की जीत सुनिश्चित हो। जितनी सीटें आप-हम लड़ें उनमें हमारी जीत की सीटें, न जीत पाने वाली सीटों से अधिक हों। जीत ही बंटवारे को सम्मानजनक बनाएगी क्योंकि जीती हुई सीट ही सम्मान दिलाएगी।' कांग्रेस को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा, 'आपकी टीम की तरफ से प्राथमिकता के आधार पर दी गई सीटों में से जिन 26 सीटों पर आज बात हो गई है, उनके अतिरिक्त अन्य सभी संभावित सीटें चिह्नित करके हमें भेज दें। फिर मिल बैठकर देखेंगे कि कौन सी सीट और उस पर कौन सा कैंडिडेट जीतने की पोजिशन में है। हो सकता है कि हम अपने आँकलन और जीत के गणितीय समीकरण के आधार पर कांग्रेस को ऐसी कई जीतनेवाली सीटों के बारे में भी बताएं जिन पर उन्होंने किसी कारणवश विचार ही नहीं किया है।

संपादक की कलम

देश की जनसंख्या राष्ट्र के विकास में अवरोध



ललित शर्मा
संपादक

देश की जनसंख्या एक सौ इकतालीस करोड़ से अधिक हो गई है, यह अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता बाजार के लिए जरूर यह बड़ी क्रय शक्ति का प्रमाण हो सकती है क्योंकि इसमें क्रय शक्ति उनके उत्पाद को बहुत ज्यादा बढ़ावा देती हैं और उनका अंतरराष्ट्रीय बाजार में खास सकारात्मक प्रभाव पैदा हो सकता है पर देश के समग्र विकास के लिए यह नुकसानदायक है। इसका प्रतिकूल प्रभाव भी निरंतर देश के नागरिकों पर पड़ता जा रहा है, जनसंख्या के दबाव के कारण संसाधनों में भारी कमी तथा गिरावट हुई है जितना भी आर्थिक नियोजन देश की विभिन्न योजनाओं की बनाया जाता है उसे पर जनसंख्या का बहुत ज्यादा दबाव होने से विकास की गति में अवरोध उत्पन्न होते जा रहे हैं। भारत की विशाल जनसंख्या केवल एक संख्या नहीं है, यह हमारे जल, जंगल, जमीन, नौकरी, शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ता निरंतर दबाव है। भारत ने दो हजार तेईस में विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बनने का स्थान प्राप्त किया और अब संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की दो हजार छब्बीस की रिपोर्ट के अनुसार भारत की जनसंख्या एक सौ सैंतालीस करोड़ से अधिक हो गई है। दो हजार चौबीस में यह एक सौ चौवालीस करोड़ और दो हजार पच्चीस में एक सौ छियालीस करोड़ थी, और अनुमान है कि अगले चालीस वर्षों में यह एक सौ सत्तर करोड़ तक पहुंच कर ही घटना शुरू होगी। कयह वृद्धि सीधे तौर पर हमारे जन संसाधनों को कम कर रही है। एक समय कहा जाता था कि भारत में नदियों का जाल है, अब प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता उन्नीस सौ इक्यावन के पाँच हजार एक सौ सतहत्तर घन मीटर से घटकर चौदह सौ घन मीटर के करीब आ गई है। जमीन वही है, खेत बंटते-बंटते छोटे हो रहे हैं। नौकरियां बढ़ रही हैं, पर नौकरी मांगने वाले उससे कई गुना तेजी से बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि आर्थिक विकास का लाभ आम आदमी तक पहुंचते-पहुंचते पतला हो जाता है। क्या भारत में सच में जनसंख्या विस्फोट हो रहा है, इस पर जनसंख्या विशेषज्ञों की राय दो तरह की है। पहले वर्ग का मानना है कि समस्या संख्या नहीं, बल्कि नियोजन की है। प्रसिद्ध जनसंख्या वैज्ञानिक आशीष बोस, जिन्हें पिछड़े राज्यों के लिए विशेष शब्द के जनक के रूप में जाना जाता है, हमेशा कहते थे कि बच्चे दो ही अच्छे का नारा तभी सफल होगा जब बच्चा जीवित रहेगा और पढ़ेगा। वहीं संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की भारत प्रतिनिधि का दृष्टिकोण अधिक आधुनिक है। दो हजार छब्बीस की रिपोर्ट जारी करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने स्वास्थ्य और विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है और युवा ही देश के भविष्य का नेतृत्व करने वाली मुख्य शक्ति हैं, इसलिए युवाओं के विचारों को नीतियों में शामिल करना जरूरी है। उनका संकेत स्पष्ट है कि भारत के पास छब्बीस प्रतिशत आबादी दस से चौबीस साल की है और उनहत्तर प्रतिशत आबादी पंद्रह से चौंसठ साल की कामकाजी आयु में है। यह एक युवा अवसर का समय है, जिसे यदि सही दिशा में निवेश नहीं किया गया तो यही युवा बेरोजगारी के संकट में बदल जाएगा। दूसरी महत्वपूर्ण बात जो विशेषज्ञ बताते हैं वह है कुल प्रजनन दर, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत की कुल प्रजनन दर अब एक दशमलव नौ है, जो दो दशमलव एक की प्रतिस्थापन दर से नीचे है। इसका अर्थ है कि औसतन एक महिला दो दशमलव एक से कम बच्चे पैदा कर रही है, यानी एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जनसंख्या खुद को पूरा नहीं कर रही। यह दर उन्नीस सौ सत्तर में लगभग पाँच बच्चों से घटकर आज एक दशमलव नौ पर आना एक बड़ी सफलता है, जिसका श्रेय शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को जाता है।

महिलाओं की भय-हिंसा मुक्ति से ही विकसित भारत संभव

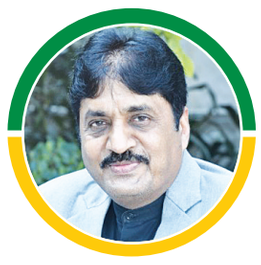

ललित गर्ग
लेखक



महिला हिंसा केवल किसी एक महिला के साथ हुआ अपराध नहीं है, यह पूरी मानवता की चेतना पर लगा हुआ घाव है। किसी महिला का घर में अपमानित होना, दहेज के लिए प्रताड़ित होना, कार्यस्थल पर उत्पीड़न सहना, सड़क पर असुरक्षित महसूस करना, यौन हिंसा का शिकार होना या डिजिटल माध्यमों से उसकी निजता और गरिमा को चोट पहुंचाना-इनमें से हर घटना समाज की उस मानसिकता को उजागर करती है, जिसमें स्त्री को बराबरी का मनुष्य मानने की भावना अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है। अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस इसलिए केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सामाजिक संकल्प का दिन है। 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाला 16 दिवसीय अभियान हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाप्त करना केवल कानून और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह परिवार, समाज, पुरुष, संस्थाओं, न्याय-व्यवस्था और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र की 2026 की थीम- महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिए एकजुट हों, न्याय सुनिश्चित करें, पीड़ितों की सुरक्षा करें, और दोषियों को सजा से बचने न दें-का मूल संदेश स्पष्ट है कि महिलाओं से जुडे.अपराधों एवं हिंसा पर नियंत्रण हो, न्याय सुनिश्चित हो, पीड़ितों की सुरक्षा हो और अपराधियों को दंड से बचने की संस्कृति समाप्त हो। सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर ही नारी-मुक्ति का वास्तविक रास्ता है, इसी से विकसित भारत संभव है।

आज दुनिया ने महिला हिंसा के अनेक पुराने चेहरों को पहचान लिया है, लेकिन हिंसा ने भी अपना स्वरूप बदल लिया है। घरेलू हिंसा, दहेज, बाल विवाह, यौन शोषण और बलात्कार के साथ अब साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन धमकी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल निगरानी और कार्यस्थल पर मानसिक दबाव जैसी नई चुनौतियां सामने हैं। इसलिए महिला सुरक्षा की लड़ाई केवल पुलिस थाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे घर की मानसिकता, विद्यालय की शिक्षा, कार्यस्थल की संस्कृति और डिजिटल व्यवहार तक ले जाना होगा। भारत में स्थिति जटिल भी है और परिवर्तनशील भी। एक ओर महिलाएं राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, शिक्षा, सेना, खेल, उद्योग और उद्यमिता में नई ऊंचाइयां छू रही हैं, दूसरी ओर अनेक महिलाएं आज भी हिंसा, भेदभाव, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव के घेरे में हैं। कानूनों की कमी से अधिक समस्या कई बार उनके प्रभावी क्रियान्वयन, सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को ही दोषी मानने वाली मानसिकता की होती है। महिला को यह समझाना आवश्यक है कि उसके साथ हुई हिंसा उसकी गलती नहीं है। अपराधी का अपराध अपराधी का ही है, पीड़िता को अपराधबोध में जीने के लिए मजबूर करना दूसरी हिंसा है।

मीटू जैसे आंदोलनों और निर्भया कांड के बाद हुए कानूनी सुधारों ने समाज में एक महत्वपूर्ण बदलाव पैदा किया है। पहले जिस हिंसा को 'घर की बात', 'इज्जत का मामला' या 'समझौते से सुलझाने' की सलाह देकर दबा दिया जाता था, उसके विरुद्ध आवाज उठाने का साहस बढ़ा है। लेकिन आवाज उठाना पहला कदम है, अंतिम समाधान नहीं। शिकायत करने वाली महिला को सुरक्षा, सम्मान, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक सहयोग और त्वरित न्याय मिले, तभी कानून पर उसका विश्वास मजबूत होगा। हमें यह भी समझना होगा कि हिंसा का वास्तविक अंत अदालत के फैसले से पहले मानसिकता के परिवर्तन से शुरू होता है। जिस घर में बेटे को अधिकार और बेटी को मयार्दा का पाठ अलग-अलग पढ़ाया जाता है, वहां समानता की नींव कमजोर रहती है। बेटे को यह सिखाना होगा कि स्त्री उसकी संपत्ति नहीं, स्वतंत्र व्यक्तित्व है, उसकी सहमति सर्वोपरि है। प्रेम अधिकार नहीं, सम्मान है और पुरुषत्व का अर्थ प्रभुत्व नहीं, संवेदनशीलता है।

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण भी हिंसा के विरुद्ध एक प्रभावी कवच है। जो महिला शिक्षित है, आर्थिक रूप से सक्षम है, अपने अधिकारों से परिचित है और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकती है, उसके लिए हिंसक परिस्थितियों से बाहर निकलने की संभावना अधिक होती है। इसलिए भारत में 'पहुँच से सशक्तिकरण तक विकसित भारत के लिए आजीविका और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना' जैसी सोच अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा, जब उसकी आधी आबादी भय से मुक्त होकर अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ सके। हमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए केवल कैमरे, कानून और हेल्पलाइन नहीं, बल्कि सुरक्षित संस्कारों का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों में लैंगिक सम्मान और संवेदनशीलता की शिक्षा हो, परिवारों में बेटियों को निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले, कार्यस्थलों पर शिकायत तंत्र निष्पक्ष और प्रभावी हो तथा पुलिस और न्याय-व्यवस्था पीड़िता के प्रति संवेदनशील बने। मीडिया और सोशल मीडिया को भी सनसनी के बजाय गरिमा और जिम्मेदारी का रास्ता चुनना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन पुरुष समाज में होना है। स्त्री के प्रति हिंसा की जड़ में केवल अपराधी प्रवृत्ति नहीं, बल्कि वह सोच भी है जो स्त्री को कमजोर, भोग की वस्तु या पुरुष के नियंत्रण का विषय समझती है। पुरुषत्व को प्रभुत्व से करुणा, अधिकार से उत्तरदायित्व और शक्ति से संरक्षण की ओर मोड़ना होगा। पुरुष यदि महिला की स्वतंत्रता को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, उसकी मानवीय गरिमा का अधिकार समझेगा, तभी परिवर्तन स्थायी होगा। नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं।

2027 का चुनावी महासंग्राम: पांच राज्यों के नतीजों से तय होगी 2029 की सियासी दिशा?



किशन भावनानीं
लेखक



वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के लोकतांत्रिक इतिहास में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे जनता के राजनीतिक विश्वास,सरकारों के कामकाज,आर्थिक नीतियों राष्ट्रीय सुरक्षा,सामाजिक अपेक्षाओं और विपक्ष की स्वीकार्यता का भी महत्वपूर्ण जनादेश होते हैं। वर्ष 2026 का अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य इसी दृष्टिकोण से विशेष महत्व रखता है।अनेक देशों में सत्तारूढ़ दलों को चुनावी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, कहीं संसद में बहुमत का गणित बदला है, कहीं गठबंधन सरकार बनाने की नौबत आई है और कहीं सरकार के सामने राजनीतिक स्थिरता का प्रश्न खड़ा हुआ है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि इस अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भारत के वर्ष 2027 में संभवतः फरवरी में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का महत्व और बढ़ जाता है।दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र में होने वाले इन चुनावों पर केवल भारतीय राजनीतिक दलों की ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों, लोकतांत्रिक संस्थाओं और वैश्विक मीडिया की भी निगाहें रहेंगी।भारत के पांच राज्यों की संवैधानिक चुनावी समयसीमा को देखें तो 2027 में मणिपुर,गोवा, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। निर्वाचन आयोग के आधिकारिक विवरण के अनुसार राज्य विधानसभा की कुल सीटें कार्यकाल समाप्ति मणिपुर 60 सीटें 13 मार्च 2027 गोवा 40 सीटें 14 मार्च 2027 पंजाब 117 सीटें 16 मार्च 2027 उत्तराखंड 70 सीटें 28 मार्च 2027 उत्तर प्रदेश 403 सीटें 22 मई 2027 को समाप्त होगा। इन राज्यों में नई विधानसभा के गठन के लिए निर्वाचन आयोग को संवैधानिक समयसीमा के अनुरूप चुनावी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। राजनीतिक चचाओं में संभावना व्यक्त की जा रही है कि गणतंत्र दिवस के बाद इन पांच राज्यों के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो सकती है। हालांकि 24 नवंबर तक निर्वाचन आयोग ने ऐसी कोई तारीख आधिकारिक रूप से घोषित नहीं की है।ठंड, घना कोहरा, सुरक्षा बलों की उपलब्धता, मतदान केंद्रों की व्यवस्था और परीक्षाओं को ध्यान में रखकर चुनाव कार्यक्रम तैयार करना महत्वपूर्ण होगा। वर्ष 2027 में सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं की परीक्षाएं 16 फरवरी से तथा उत्तर प्रदेश बोर्ड की परीक्षाएं प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 5 से 24 फरवरी तक आयोजित होनी हैं। विद्यालयों को मतदान केंद्र बनाने,शिक्षकों की उपलब्धता और सुरक्षा बलों की तैनाती के कारण चुनाव आयोग को परीक्षा और चुनाव के बीच समन्वय रखना होगा।इसलिए चुनाव की तारीखों का निर्धारण प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। साथियों बात अगर हम वैश्विक लोकतंत्र में बदलते राजनीतिक समीकरण:को समझने की करें तो वर्ष 2026 का अंतरराष्ट्रीय चुनावी परिदृश्य अनेक देशों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बदलते राजनीतिक संतुलन का साक्षी बना है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को मध्यावधि चुनावों में संसदीय चुनौती मिली,जबकिइजराइल में बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाले गठबंधन को स्पष्ट बहुमत हासिल करने में कठिनाई हुई। बांग्लादेश में तारिक रहमान की सरकार बनने के बाद भी राजनीतिक तनाव और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी का प्रश्न चर्चा में है। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि लोकतंत्र में सत्ता की स्थिरता के लिए जनसमर्थन और संसदीय बहुमत दोनों सटीकता से महत्वपूर्ण हैं।

साथियों बात अगर हम दुनियाँ के चुनावों से भारत के लिए राजनीतिक संदेशः को समझने की करें तो यूरोप और एशिया के विभिन्न देशों में भी मतदाताओं ने अलग- अलग राजनीतिक संदेश दिए हैं। कहीं सत्तारूढ़ दलों को नुकसान हुआ, कहीं विपक्ष मजबूत हुआ और कहीं सरकारों को नया जनादेश मिला। जापान जैसे देशों में सत्तारूढ़ दलों को बड़ा समर्थन भी प्राप्त हुआ। इसलिए अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का सही निष्कर्ष यह है कि लोकतांत्रिक देशों में मतदाता सरकारों के कामकाज और अपनी अपेक्षाओं के आधार पर सटीकता से अलग-अलग निर्णय लेते हैं।

साथियों बात अगर हम पंजाब में छह वर्ष बाद भाजपा- अकाली दल का गठबंधनः 24 नवंबर 2026 को गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर भाजपा और शिरोमणि अकाली दल ने 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन की घोषणा की। अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में इस समझौते की घोषणा हुई। अमित शाह ने अकाली दल को बड़ा भाई बताते हुए मुख्यमंत्री पद भी अकाली दल को दिए जाने का संकेत दिया। 117 सीटों के अंतिम बंटवारे की घोषणा अभी बाकी है।. 2020 के कृषि कानूनों से गठबंधन टूटने और फिर जुड़ने तकः सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर किसान आंदोलन के बीच अकाली दल ने भाजपा से 24 वर्ष पुराना गठबंधन तोड़ दिया था।हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया। नवंबर 2021 में केंद्र सरकार ने तीनों कानून वापस लिए। 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 117 में से 92 सीटें जीतकर सरकार बनाई, जबकि अकाली दल को तीन और भाजपा को दो सीटें मिलीं। अब छह वर्ष बाद दोनों पुराने सहयोगियों की वापसी पंजाब की राजनीति में नया समीकरण सटीकता से प्रस्तुत करती है।

साथियों बात अगर हम उत्तर प्रदेश में सपा-कांग्रेस गठबंधन का सीटों पर पेचः 403 विधानसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे की बातचीत जारी है। 24 नवंबर को सपा ने कांग्रेस को 26 सीटों का प्रस्ताव दिया, जबकि कांग्रेस की मांग पहले 131 और बाद में 120 सीटों तक बताई गई। अखिलेश यादव ने कहा कि गठबंधन का उद्देश्य चुनाव जीतना है और अभी अंतिम निर्णय कहना जल्दबाजी होगी। इससे स्पष्ट है कि दोनों दलों के सामने सीटों के साथ-साथ राजनीतिक सम्मान और संगठनात्मक ताकत के बीच संतुलन बनाने की चुनौती है।

साथियों बात अगर हम ओवैसी-चंद्रशेखर का सामाजिक परिवर्तन मोर्चाः 12 नवंबर को असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने उत्तर प्रदेश में सामाजिक परिवर्तन मोर्चे की घोषणा की। दोनों दलों ने सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है और चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है। 26 नवंबर को संविधान दिवस पर लखनऊ के रमाबाई आंबेडकर मैदान में पहली संयुक्त महारैली आयोजित होगी। आयोजकों ने पांच लाख लोगों की उपस्थिति का दावा किया है, जिसकी वास्तविक संख्या कार्यक्रम के बाद ही सटीकता से सामने आएगी।

साथियों बात अगर हम एसआईआर और मतदाता सूची का विवादः उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद 1.27 करोड़ से अधिक हिंदू मतदाताओं के नाम गायब होने संबंधी राजनीतिक दावे ने विवाद पैदा किया है। निर्वाचन प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उसके डेटाबेस में धर्म के आधार पर मतदाताओं का वर्गीकरण नहीं होता।इसलिए इस विषय परआरोपों और आधिकारिक आंकड़ों के बीच अंतर समझना आवश्यक है।आगामी चुनावों में पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखना और मतदाता सूची को पारदर्शी बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। साथियों बात अगर हम 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले पांच राज्यों का महत्वः इन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक पड़ाव माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटें और 80 लोकसभा सीटें राष्ट्रीय राजनीति में विशेष महत्व रखती हैं। पंजाब में भाजपा-अकाली गठबंधन, उत्तर प्रदेश में सपा-कांग्रेस की बातचीत तथा ओवैसी- चंद्रशेखर का नया मोर्चा चुनावी प्रतिस्पर्धा के अलग-अलग स्वरूप प्रस्तुत करते हैं। हालांकि विधानसभा चुनाव के परिणामों को 2029 के लोकसभा परिणाम का निश्चित पूवार्नुमान नहीं माना जा सकता। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वैश्विक लोकतंत्र में बदलते सत्ता समीकरणों के बीच भारत के पांच राज्यों के चुनाव 2027 की महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना होंगे। पंजाब में पुराने सहयोगियों की वापसी, उत्तर प्रदेश में गठबंधन की बातचीत और नए राजनीतिक मोर्चों का गठन चुनावी विमर्श को नई दिशा दे रहा है।

अंततः गठबंधन नेतृत्व और राजनीतिक दावों से ऊपर लोकतंत्र में अंतिम निर्णय मतदाता का होता है। निष्पक्ष चुनाव, पारदर्शी मतदाता सूची और जनता का विश्वास ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति हैं।

समय करेगा फैसला

डॉ. सत्यवान सौरभ



कविता

नेकी करके भूल जा, यही संतों का ज्ञान।
दुर्जन गिनता उम्र भर, छोटे भी अहसान॥

काँच चमकता खूब है, हीरा रहे उदास।
परख नहीं जब जगत को, व्यर्थ चमक की आस॥

मुख पर मीठी बात है, भीतर भरा विकार।
ऐसे लोगों से सदा, रखना उचित विचार॥

सत्य बोलने पर यहाँ, मिलते ताने रोज।
झूठ सजाकर बेचते, ओछे अपना ओज॥

औकात नहीं कर्म की, फिर भी है अभिमान।
खाली पात्र बजे अधिक, यही जगत पहचान॥

वृक्ष फलदार झुक रहा, पत्थर मारें लोग।
छाया देकर भी उसे, सहना पड़ता रोग॥

कृतघ्नों के साथ में, व्यर्थ गया सद्भाव।
पत्थर पर जल धार से, कैसे उपजे भाव॥

समय करेगा फैसला, कौन हुआ बेकार।
सत्य कभी झुकता नहीं, झूठ रहे दिन चार॥

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

तरक्की के तमाशे में प्यासे नागरिकों का भविष्य नीलाम



प्रो. आरके जैन
लेखक

शहर में एक नई उपलब्धि दर्ज हुई है। सड़कें चौड़ी हो गई हैं, इमारतें ऊँची हो गई हैं, बाजार जगमगा रहे हैं और विकास के विज्ञापनों में शहर की तस्वीर पहले से खूबसूरत दिखाई देने लगी है। बस एक छोटी-सी कमी रह गई है—नलों में पानी नहीं आता। नगर निगम ने शायद इसे भी विकास का हिस्सा मान लिया है। नागरिकों को अब सुबह नल खोलने के बजाय टैंकर का इंतजार करना चाहिए, बाल्टियाँ संभालनी चाहिए और गर्व करना चाहिए कि वे एक विकसित शहर में रहते हैं। विडंबना यह है कि हमने ऐसे शहर बना लिए हैं, जहाँ आलीशान मकान हैं, गाड़ियों के लिए पार्किंग है, मनोरंजन के लिए मॉल हैं, लेकिन जीवन की बुनियादी जरूरत पानी की कोई गारंटी नहीं। विकास की परिभाषा लिखने वालों से सवाल है कि क्या प्यासे नागरिक भी स्मार्ट सिटी की पहचान होते हैं? भारत के शहरों में जल संकट अब गर्मियों की अस्थायी परेशानी नहीं, बल्कि शहरी नियोजन की गंभीर विफलता बन चुका है। बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली और हैदराबाद सहित अनेक शहर इसका सामना कर रहे हैं। कहीं भूजल स्तर गिर रहा है, कहीं जलाशय सिकुड़ रहे हैं और कहीं नदियों का पानी प्रदूषण के कारण उपयोग योग्य नहीं बचा। आबादी बढ़ने का अनुमान तो लगाया गया, लेकिन उसके अनुरूप जल संसाधनों की व्यवस्था नहीं हुई। नई कॉलोनियाँ बसाने, औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने और ऊँची इमारतें खड़ी करने में जितनी तत्परता दिखाई गई, उतनी पानी के इंतजाम में नहीं।

लकवा रोगियों के लिए आयुर्वेदिक उपचार की उम्मीद-नव आरोग्य कल्प आयुर्वेद भवन में उपलब्ध परामर्श एवं उपचार सुविधा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। लकवा (पैरालिसिस) एक ऐसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें व्यक्ति के शरीर के किसी हिस्से की गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। हाथ-पैरों में कमजोरी, चलने-फिरने में परेशानी तथा दैनिक कार्यों में दूसरों पर निर्भरता जैसी समस्याएं मरीज और उसके परिवार के लिए बड़ी चुनौती बन जाती हैं। ऐसे मरीजों के लिए राजनगर, गाजियाबाद स्थित नव आरोग्य कल्प आयुर्वेद भवन में आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध है। यहां वैद्य दिनेश कुमार द्वारा मरीजों को उनकी स्थिति के अनुसार आयुर्वेदिक उपचार और मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। संस्थान की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, कुछ मरीजों में उपचार के दौरान चलने-फिरने, बैठने और हाथ-पैरों की गतिविधियों में सुधार देखने को मिला है। हालांकि, उपचार का परिणाम प्रत्येक मरीज की बीमारी की गंभीरता, स्थिति और स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। 40 दिनों में निश्चित सुधार या पूर्ण स्वस्थ होने की गारंटी नहीं दी जाती। वैद्य दिनेश कुमार आयुवेर्दाचार्य हैं। उनकी शैक्षणिक योग्यताओं में B.A.M.S., M.D. (A.M.), N.D.D.Y. एवं D.Y.A. शामिल हैं। संस्थान का उद्देश्य आयुर्वेदिक चिकित्सा के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराना है। लकवा या अन्य गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्या से पीड़ित मरीजों को किसी भी उपचार से पहले योग्य चिकित्सक से जांच एवं सलाह अवश्य लेनी चाहिए। आयुर्वेदिक उपचार के साथ आवश्यक आधुनिक चिकित्सा को बंद नहीं करना चाहिए।





संपर्क एवं पता

नव आरोग्य कल्प आयुर्वेद भवन
वैद्य दिनेश कुमार
पता: R-12/66, राजनगर, गाजियाबाद।
मोबाइल: 9810664073
समय: सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक एवं शाम 5:00 बजे से 7:00 बजे तक।
प्रत्येक गुरुवार अवकाश।
Google पर खोजें: Nav Arogya Kalp Ayurved Bhawan

श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व पर निकला भव्य नगर कीर्तन, जगह-जगह हुआ पुष्पवर्षा से स्वागत

राजीव मोंगरा/वेलकम इंडिया



सहारनपुर। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में मंगलवार को पंजाबी गुरुद्वारा नुमाईश कैम्प (रजि.) की ओर से भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में निकले नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु महाराज के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। नगर कीर्तन के दौरान पूरा क्षेत्र गुरु वाणी और धार्मिक जयकारों से गूंज उठा।

नगर कीर्तन का शुभारंभ पंजाबी गुरुद्वारा नुमाईश कैम्प से हुआ। नगर कीर्तन में सबसे आगे पांच प्यारे साहिबान चल रहे थे, जबकि उनके पीछे श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पावन अगुवाई में शोभायात्रा आगे बढ़ी। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर संगत ने पुष्पवर्षा कर नगर कीर्तन का भव्य स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह सेवा और सत्कार के माध्यम से अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

नगर कीर्तन पंजाबी गुरुद्वारा नुमाईश कैम्प से प्रारंभ होकर भारत माता चौक, गोपाल नगर, रुड़की कैम्प और गौशाला सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ पुनः पंजाबी गुरुद्वारा नुमाईश कैम्प पहुंचकर संपन्न हुआ। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। नगर कीर्तन का मुख्य आकर्षण घोड़ों पर सवार निहंग सिंह रहे। वहीं पंजाब से पहुंची बैंड पार्टी ने अपनी मधुर धुनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। गतका पार्टी के सदस्यों ने पारंपरिक युद्ध कला का शानदार प्रदर्शन कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके हैरतअंगेज करतब देखने के लिए मार्ग में जगह-जगह लोगों की भारी भीड़ जुटी रही। युवाओं और बच्चों में भी नगर कीर्तन को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।

इस अवसर पर स. तजिन्दर सिंह, स. दविन्दर सिंह बाठला, स. त्रिलोचन सिंह, स. करनैल सिंह, भाई परमजीत सिंह, हितेश गुलाटी, जॉनी बग्गा, हरजीत सिंह नरूला, अमनदीप सिंह, अमरजीत सिंह, दीपक सिंह, गुरदीप सिंह, सेवा सिंह, मनजीत सिंह और शिवजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में कीर्तन, अरदास और गुरु का अटूट लंगर भी आयोजित किया गया। उन्होंने नगर कीर्तन को सफल बनाने में सहयोग देने वाली संगत और प्रशासन का आभार व्यक्त किया। नगर कीर्तन ने शहर में आपसी भाईचारे, प्रेम, सेवा और एकता का संदेश दिया।

ब्लू बर्ड स्कूल में धूमधाम से मनाया गया उर्दू दिवस

महान विभूतियों के जीवन और योगदान को किया याद

राजीव मोंगरा/वेलकम इंडिया



सहारनपुर। आनंद नगर स्थित ब्लू बर्ड स्कूल में उर्दू भाषा एवं साहित्य के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से उर्दू दिवस के अवसर पर भव्य एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महान शायर एवं दार्शनिक अल्लामा मुहम्मद इकबाल, देश के प्रथम शिक्षा मंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद तथा महान शिक्षाविद् एवं समाज सुधारक सर सैयद अहमद खान के जीवन, विचारों और राष्ट्र एवं समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने इन महान विभूतियों के जीवन परिचय, संघर्ष, उपलब्धियों और विचारों पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने भाषण और तकरीर के माध्यम से उर्दू भाषा की मिठास, उसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा और भारतीय संस्कृति में उसके महत्वपूर्ण स्थान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक और आकर्षक बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक मोहम्मद जमाल असलम ने कहा कि उर्दू केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी तहजीब, संस्कृति और समृद्ध साहित्यिक विरासत का अहम हिस्सा है। विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा के साथ-साथ सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। साथ ही महान शिक्षाविदों, साहित्यकारों और विचारकों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. मोहम्मद खालिद ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में अच्छे संस्कार, अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच विकसित करना भी है। अल्लामा इकबाल, मौलाना अबुल कलाम आजाद और सर सैयद अहमद खान जैसी महान हस्तियों के विचार आज भी नई पीढ़ी को शिक्षा, ज्ञान और समाजसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

अनाज मंडी की सड़कों पर कूड़े के ढेर, सफाई व्यवस्था की खुली पोल

शिकायतों के बावजूद नहीं उठ रहा कूड़ा, पालिका प्रशासन की कार्यशैली से लोगों में नाराजगी

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी



कांधला। नगर की अनाज मंडी में सड़कों पर लगे कूड़े के ढेर से सफाई व्यवस्था की पोल खुल रही है। कूड़ा नहीं उठाए जाने से स्थानीय लोगों में नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ नाराजगी है। लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद पालिका कर्मचारी सफाई करने नहीं पहुंचते हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वच्छ भारत मिशन के तहत देशभर में स्वच्छता को लेकर अभियान चला रहे हैं, लेकिन नगर पालिका के कर्मचारियों की लापरवाही के चलते अभियान को पलीता लगता नजर आ रहा है। पालिका की ओर से घर-घर से कूड़ा उठाने के लिए कूड़ा गाड़ियों और कर्मचारियों की व्यवस्था की गई है, इसके बावजूद नगर की सफाई व्यवस्था बदहाल है। पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम भी नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के दावे करते रहे हैं। उन्होंने चुनाव के समय जनता से वादा किया था कि वह कस्बे को पेरिस बना देंगे, मंगलवार को अनाज मंडी के समीप सड़कों पर कूड़े का ढेर लगा होने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कस्बा निवासी समीर, अजमेर, सुरेश, सुनील और राजू सहित अन्य लोगों ने बताया कि शिकायत के बाद भी कूड़ा नहीं उठाया जाता, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। मामले में नगर पालिका के स्वास्थ्य लिपिक अमरीश कुमार ने बताया कि सड़क पर कूड़ा पड़ा होने की जानकारी नहीं है। स्वास्थ्य कर्मचारियों को भेजकर कूड़ा उठवाया जाएगा। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

दुख की घड़ी में जैन परिवारों ने पेश की मानवता की मिसाल, तीन परिवारों ने कराया नेत्रदान

राजीव मोंगरा/वेलकम इंडिया



सहारनपुर। अपनों को खोने का दुख असहनीय होता है, लेकिन इसी दुख की घड़ी में दूसरों के जीवन में उजाला लाने का संकल्प लेना वास्तव में मानवता और परोपकार की अनूठी मिसाल है। सहारनपुर में जैन समाज के तीन परिवारों ने अपने परिजनों के निधन के बाद उनकी इच्छा और भावनाओं का सम्मान करते हुए नेत्रदान का पुनीत कार्य किया। इन परिवारों के इस निर्णय से दृष्टिहीन लोगों के जीवन में रोशनी की नई उम्मीद जगी है।

जानकारी के अनुसार, दीनानाथ बाजार निवासी संजय जैन ने रोशनी आई बैंक एवं धर्मार्थ चिकित्सालय सोसाइटी को सूचना दी कि महावीर कॉलोनी निवासी स्वर्गीय विजय कुमार जैन के निधन के बाद उनके परिवार ने नेत्रदान की इच्छा व्यक्त की है। स्वर्गीय विजय कुमार जैन, डॉ. अतुल जैन एवं अल्पेश जैन के पिता थे। परिवार की सहमति के बाद नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी कराई गई। इसी क्रम में नकुड़ निवासी पंकज जैन ने भी अपने ससुर स्वर्गीय विजय कुमार जैन की नेत्रदान की इच्छा को पूरा करने का निर्णय लिया। वहीं देवबंद निवासी स्वर्गीय महेश कुमार जैन के निधन के बाद उनके पौत्र नमन जैन व अक्षत जैन, पुत्र रजनीश कुमार जैन और पुत्रवधू संगीता जैन ने उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए नेत्रदान के लिए पहल की। सूचना मिलने पर रोशनी आई बैंक की टीम ने संबंधित स्थानों पर पहुंचकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और नेत्रदान संपन्न कराया। इस पुनीत कार्य के दौरान सुभाष चंद्र मित्तल, साध्वी आशु गिरी जैन, संजय जैन, पंकज जैन, संगीता जैन, संदीप जैन, वैभव जैन, अभय जैन, अक्षत जैन, कमल जैन सहित जैन समाज के अनेक गणमान्य लोग और परिजन उपस्थित रहे। रोशनी आई बैंक एवं धर्मार्थ चिकित्सालय सोसाइटी, सहारनपुर के अध्यक्ष सूरज जैन ने तीनों परिवारों के इस अनुकरणीय निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि नेत्रदान केवल एक दान नहीं, बल्कि किसी की अंधेरी दुनिया में उजाला लाने का माध्यम है। व्यक्ति के दुनिया से विदा होने के बाद भी उसके नेत्र किसी जरूरतमंद के जीवन में रोशनी की नई उम्मीद जगा सकते हैं। उन्होंने समाज के लोगों से भी नेत्रदान के प्रति जागरूक होने और इस पुनीत कार्य के लिए आगे आने की अपील की। तीनों परिवारों ने अपने दुख को परोपकार के संकल्प में बदलकर समाज को यह प्रेरणादायक संदेश दिया कि मानवता और सेवा का भाव जीवन के बाद भी कायम रह सकता है। नेत्रदान के इस पुनीत कार्य ने समाज के सामने सेवा और संवेदनशीलता की एक प्रेरक मिसाल पेश की है। परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोने के गहरे दुख के बीच ऐसा निर्णय लिया, जिससे जरूरतमंद लोगों के जीवन में नई रोशनी आने की उम्मीद जगी है। इस पहल से यह संदेश भी मिलता है कि अंगदान और नेत्रदान के प्रति सामाजिक जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। यदि अधिक परिवार इस दिशा में आगे आएं तो अनेक दृष्टिबाधित लोगों को नई जिंदगी और दुनिया को देखने का अवसर मिल सकता है। समाज के प्रत्येक वर्ग को इस मानवीय अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित होना चाहिए।

मकान निर्माण कार्य को लेकर विवाद, कैंची से हमला कर किया गया घायल

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे में मकान निर्माण का कार्य करने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति पर कैंची से हमला कर घायल करने के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।कस्बा निवासी आस मोहम्मद पुत्र अली जान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि विगत सात नवंबर की शाम करीब सात बजे वह अपने मकान में निर्माण कार्य करा रहा था। इसी दौरान उसका पड़ोसी आजम पुत्र शकील मौके पर पहुंचा और उसे कार्य करने से रोकने लगा। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट करते हुए उसकी पीठ पर कैंची से वार कर दिया। हमले में वह घायल हो गया। घटना के बाद पीड़ित ने अपना चिकित्सकीय परीक्षण कराया और आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले में आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। घटना से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों को जुटाया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रतापगढ़ में अनोखी शादी सौ लोगो के साथ दूल्हे के घर बारात लेकर पहुंची दुल्हन

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। शादियों में आमतौर पर दूल्हा बारात लेकर दुल्हन के घर पहुंचता है, लेकिन प्रतापगढ़ में एक ऐसी शादी हुई है, जिसने इस परंपरा से हटकर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यहां दुल्हन खुद बारात लेकर दूल्हे के घर पहुंच गई। बैंड-बाजे और करीब 100 लोगों के साथ पहुंची दुल्हन को देखकर गांव के लोग भी हैरान रह गए। इस अनोखी शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और यह विवाह पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला मान्धाता थाना क्षेत्र के कैलाकला गांव का है। जानकारी के मुताबिक, गांव निवासी रामफल प्रजापति के बेटे सर्वेश प्रजापति का विवाह महेशगंज थाना क्षेत्र के फतूहाबाद जगापुर निवासी शिवपूजन प्रजापति की बेटी खुशी के साथ तय हुआ था। दोनों परिवारों के बीच विवाह की तैयारियां चल रही थीं। परंपरागत तरीके से होने वाली इस शादी में उस समय नया मोड़ आ गया, जब दूल्हे के घर बारात लेकर दुल्हन पहुंचने की जानकारी सामने आई।

बताया जाता है कि बीते रविवार को खुशी करीब 100 लोगों के साथ बारात लेकर सर्वेश के घर पहुंची। उधर, वर पक्ष की ओर से घर पर मेहमानों के स्वागत और बारात की अगवानी की तैयारियां की जा रही थीं। इसी बीच जब गांव के लोगों को पता चला कि इस बार बारात लेकर दूल्हा नहीं, बल्कि दुल्हन आई है तो हर कोई इस अनोखे आयोजन को देखने के लिए उत्सुक हो गया। दुल्हन को बारात के साथ दूल्हे के घर पहुंचते देखकर गांव के लोग आश्चर्यचकित रह गए। कई लोग इस विवाह के बारे में एक-दूसरे से जानकारी लेने लगे। ग्रामीणों के बीच इस अनोखी पहल को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं। बुजुर्गों के बीच भी यह शादी चर्चा का विषय बनी रही। कुछ लोगों का कहना था कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार किसी दुल्हन को इस तरह बारात लेकर दूल्हे के घर आते देखा है। आमतौर पर विवाह में बारात की अगवानी वर पक्ष करता है और दूल्हा अपने परिवार तथा रिश्तेदारों के साथ दुल्हन के घर पहुंचता है। हालांकि, इस विवाह में दोनों परिवारों ने परंपरा से अलग एक नया तरीका अपनाया। दुल्हन की बारात पहुंचने के बाद विवाह की निर्धारित रस्में पूरी की गईं।

इस अनोखी शादी को लेकर जब दुल्हन के पिता शिवपूजन प्रजापति से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि यह विवाह दोनों पक्षों की आपसी सहमति और खुशी से हो रहा है। कुछ अलग करने के उद्देश्य से परिवारों ने तय किया कि इस बार दुल्हन ही बारात लेकर दूल्हे के घर पहुंचेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें दोनों परिवारों की सहमति शामिल थी और इसी खुशी के साथ विवाह संपन्न कराया गया। शादी के इस अनोखे अंदाज का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो देखने के बाद लोग इस विवाह को लेकर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कोई इसे बदलते सामाजिक परिवेश की झलक बता रहा है तो कोई इसे विवाह की परंपराओं से अलग एक अनूठी पहल मान रहा है।

उधारी के रुपये मांगने पर किया परिवार पर हमला, युवक घायल

मोहसिन रहमानी



कांधला। थाना क्षेत्र की नई बस्ती बिजली घर मार्ग पर उधारी के रुपये मांगने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि कई लोगों ने एक परिवार पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित घायल ने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार को थाना क्षेत्र की नई बस्ती बिजली घर मार्ग निवासी असलम ने बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाले सालिम पर उसके लाखों रुपये उधार हैं। आरोप है कि सालिम कई वर्षों से रुपये लौटाने का वादा कर रहा था, लेकिन रकम वापस नहीं कर रहा था। मंगलवार को जब असलम ने अपने उधार दिए रुपये मांगे तो आरोपी अपने कई साथियों के साथ लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर उसके घर में घुस आया। आरोप है कि हमलावरों ने असलम और उसके परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। हमले में उसका छोटा भाई मोईन गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामले में जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि शिकायत मिली है।

राष्ट्रीय क्विज में प्रतापगढ़ के सर्वोदय विद्यालय का छात्र सक्षम सिंह चौथे स्थान पर

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

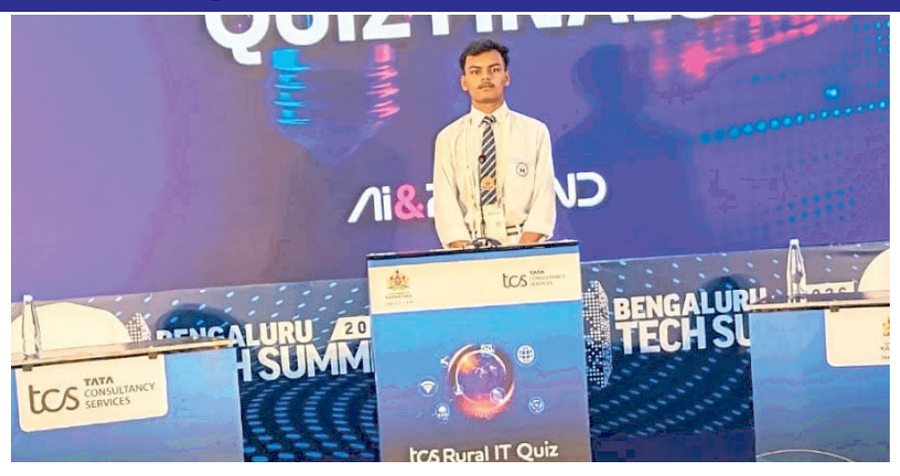

प्रतापगढ़। ग्रामीण अंचल में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो उन्हें उचित अवसर, मार्गदर्शन और बेहतर मंच उपलब्ध कराने की। प्रतापगढ़ के जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के कक्षा नौ के छात्र सक्षम सिंह ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर शानदार उपलब्धि हासिल कर इस बात को साबित कर दिया है। सक्षम सिंह ने प्रतिष्ठित टीसीएस रूरल आईटी क्विज के राष्ट्रीय फाइनल में 70 अंक प्राप्त कर देशभर में चौथा स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय, समाज कल्याण विभाग और पूरे जनपद में खुशी का माहौल है। बेंगलुरु में 19 नवंबर को आयोजित टीसीएस रूरल आईटी क्विज के राष्ट्रीय फाइनल में सक्षम ने देशभर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बीच अपनी तकनीकी समझ, तार्किक क्षमता और ज्ञान का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में चौथा स्थान प्राप्त करना उनकी निरंतर मेहनत, लगन और बेहतर तैयारी का परिणाम माना जा रहा है।

सक्षम सिंह का राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सफर भी काफी प्रतिस्पर्धात्मक रहा। 27 अक्टूबर को काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी में आयोजित उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय फाइनल में सक्षम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। इस प्रतियोगिता में प्रतापगढ़ के सर्वोदय विद्यालय के ही एक अन्य प्रतिभाशाली छात्र किशेष पांडेय ने दूसरा स्थान प्राप्त किया था। प्रदेश के 60 जिलों से आए 400 से अधिक विद्यार्थियों के बीच सर्वोदय विद्यालय के दोनों छात्रों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सक्षम ने क्षेत्रीय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल करने के बाद राष्ट्रीय मंच पर भी अपनी सफलता का सिलसिला जारी रखा और देशभर में चौथा स्थान प्राप्त किया।

इस उपलब्धि के पीछे छात्र की मेहनत के साथ शिक्षक का निरंतर मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण रहा। विद्यालय के गणित शिक्षक राजेश कुमार यादव ने पिछले छह महीनों से प्रतियोगिता को ध्यान में रखते हुए सक्षम सिंह को विशेष तैयारी कराई। इस दौरान तकनीकी ज्ञान, तार्किक क्षमता और प्रतियोगिता से जुड़े विभिन्न विषयों पर लगातार अभ्यास कराया गया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता से लौटने के बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य अखिलेश नारायण ने सक्षम सिंह और शिक्षक राजेश कुमार यादव को सम्मानित किया। उन्होंने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र की सराहना करते हुए शिक्षक राजेश यादव के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व की भी प्रशंसा की। प्रधानाचार्य ने दोनों के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त करते हुए इसे विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त तकनीकी ज्ञान, तार्किक सोच, डिजिटल समझ और विभिन्न प्रतिस्पर्धात्मक आयोजनों में भागीदारी के माध्यम से विद्यार्थियों की क्षमताओं को निखारने का प्रयास किया जा रहा है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की ओर से वर्ष 2000 से आयोजित की जा रही रूरल आईटी क्विज ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल तकनीक से परिचित कराने का महत्वपूर्ण मंच है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में तकनीकी जागरूकता, समस्या समाधान की क्षमता, तार्किक सोच और टीम भावना विकसित करने का अवसर मिलता है।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने सक्षम सिंह की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सर्वोदय विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ तकनीकी और व्यावहारिक ज्ञान देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सक्षम सिंह की सफलता प्रदेश के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर और राष्ट्रीय स्तर का मंच उपलब्ध कराया जाए। सक्षम सिंह की यह उपलब्धि केवल एक विद्यार्थी की सफलता नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा और प्रतिभा विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सकारात्मक तस्वीर भी प्रस्तुत करती है। राष्ट्रीय स्तर पर चौथा स्थान हासिल कर सक्षम ने प्रतापगढ़ को गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता से विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को भी पढ़ाई के साथ तकनीकी और प्रतिस्पर्धात्मक गतिविधियों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इस उपलब्धि ने एक बार फिर साबित किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में भी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल उन्हें सही दिशा, बेहतर प्रशिक्षण और अपनी क्षमता दिखाने के लिए उचित मंच उपलब्ध कराने की है। सक्षम सिंह की सफलता से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों में भी तकनीकी शिक्षा और ज्ञान आधारित प्रतियोगिताओं के प्रति रुचि बढ़ने की उम्मीद है। खास बात यह है कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाना उन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े लक्ष्य हासिल करने का सपना देखते हैं। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों का मानना है कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उनमें नई चीजें सीखने की जिज्ञासा भी पैदा करती हैं। डिजिटल तकनीक के तेजी से बदलते दौर में विद्यार्थियों के लिए किताबी ज्ञान के साथ तकनीकी समझ और तार्किक क्षमता विकसित करना भी आवश्यक है। सक्षम सिंह की उपलब्धि से विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं को भी अपनी रुचि के क्षेत्र में मेहनत करने और प्रतियोगिताओं में भाग लेने की प्रेरणा मिलेगी।

गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व पर श्री गुरु सिंह सभा देहरादून द्वारा आयोजित कार्यक्रम

वेलकम इंडिया/ओ पी उनियाल







देहरादून। गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गोविंद नगर, रेसकोर्स में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने मत्था टेककर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने श्री गुरु नानक देव जी को नमन करते हुए समस्त संगत एवं प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी की तीन प्रमुख शिक्षाएं हमें परमात्मा का स्मरण करने, ईमानदारी से परिश्रम कर आजीविका अर्जित करने और अपनी कमाई को दूसरों के साथ साझा करने की प्रेरणा देती हैं। इन शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर हम एक बेहतर समाज के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि सिख परंपरा में निहित 'सरबत दा भला' की भावना हमें सभी के सुख और कल्याण की कामना करना सिखाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख समाज ने सेवा, साहस और समर्पण की गौरवशाली परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया है। देश की सीमाओं की रक्षा, आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्यों तथा जरूरतमंदों की सहायता में सिख समाज का योगदान अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में स्थित श्री हेमकुंट साहिब विश्वभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गोविंदघाट से श्री हेमकुंट साहिब तक 12.4 किलोमीटर लंबे रोपवे के निर्माण को मंजूरी दी है। इस रोपवे के निर्माण से श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम होगी तथा विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांग श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान श्री गुरबख्श सिंह राजन, महासचिव श्री गुलजार सिंह, श्री बलजीत सोनी, जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में साध संगत उपस्थित थी। खटीमा में आयोजित ऐतिहासिक झनकईया गंगा स्नान मेले का फीता काटकर शुभारंभ किया कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री ने खटीमा में आयोजित ऐतिहासिक झनकईया गंगा स्नान मेले का फीता काटकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने शारदा तट पर पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शारदा कॉरिडोर के अंतर्गत झनकईया एवं काला पुल के समीप नवनिर्मित पूर्णागिरि मंदिर क्षेत्र में स्नान घाटों के निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कार्तिक पूर्णिमा एवं श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झनकईया का ऐतिहासिक मेला धार्मिक आस्था, लोक संस्कृति और समृद्ध परंपराओं का संगम है। लंबे समय से आयोजित हो रहा यह मेला हमारी सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। नई पीढ़ी भी पूरे उत्साह के साथ इन परंपराओं को आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा के समीप आयोजित होने वाला यह मेला दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों एवं आपसी सद्भाव को और सुदृढ़ करता है। भारत और नेपाल के बीच सदियों से रोटी-बेटी का संबंध रहा है। दोनों देशों की सांस्कृतिक एवं सामाजिक परंपराएं परस्पर जुड़ी हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले में सीमांत क्षेत्रों के साथ ही उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं व्यापारी पहुंचते हैं। थारू समाज सहित विभिन्न समुदायों की सहभागिता, पारंपरिक लोकगीत, लोकनृत्य और रीति-रिवाज इस मेले को विशेष पहचान प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजन स्थानीय व्यापारियों, कारीगरों और उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन का अवसर भी प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक पहचान उसकी संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली इतिहास से होती है। राज्य सरकार विकास कार्यों के साथ-साथ पारंपरिक मेलों, महोत्सवों एवं सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। हाल ही में खटीमा में आदि गौरव महोत्सव तथा देहरादून में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार सीमांत एवं जनजातीय क्षेत्रों के प्रत्येक परिवार तक शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बेहतर आधारभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

पालीखेड़ा में बोरे में मिला खून से लथपथ अज्ञात शव, हत्या की आशंका से मची अफरा-तफरी



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के पालीखेड़ा स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में मंगलवार को एक बोरे में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव खून से लथपथ हालत में मिला। इसकी जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल थाना हाईवे पुलिस को सूचना दी। सूचना पर सीओ रिफाइनरी प्रवीण तिवारी, थाना हाईवे प्रभारी बैजनाथ सिंह और मंडी चौकी प्रभारी रोहित उज्ज्वल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में मृतक के सिर और शरीर पर चोटों के निशान पाए गए हैं। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस मृतक की शिनाख्त कराने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही घटना के सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

गीता आश्रम में धूमधाम से मनाया स्वामी गीतानंद महाराज का 22वां पुण्य तिथि महोत्सव

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/वृंदावन। गांधी मार्ग स्थित गीता आश्रम में प्रख्यात संत स्वामी गीतानंद महाराज का 22वां पुण्य तिथि महोत्सव व पुष्पांजलि समारोह अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ जिसमें संत और विदानों ने संत गीतानंद महाराज के सेवाभावी कार्यों की सराहना की। कहा कि संत गीतानंद महाराज के दिखाए रास्ते पर आगे बढ़ते हुए महामंडलेश्वर डा. अवशेषानंद महाराज आज भी उनके सपनों को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी गीतानंद महाराज ने अपने देश की राजनीति को नई दिशा देने का भी काम किया था। आज भी संत गीतानंद महाराज की याद करते हुए संतों ने कहा कि आज भले ही 22वीं पुण्य तिथि मनाई जा रही हो, लेकिन उनके कार्य हम सभी को एक संदेश दे रहे हैं। मुख्य अतिथि हाईकोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति एस. एस. कुलश्रेष्ठ ने अपनी वाक पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि महाराजश्री के सेवा भावी कार्यों से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। पुष्पांजलि समारोह में संत गोविंदानंद तीर्थ महाराज, स्वामी रामदेवानंद महाराज, स्वामी नवल गिरी महाराज, स्वामी सुरेशानंद परमहंस, स्वामी रमेशानंद महाराज, स्वामी आदित्यानंद महाराज, स्वामी अद्वैत मुनि महाराज, डॉ. मनोज मोहन शास्त्री, डॉ. अनुराग कृष्ण पाठक, रूपी रत्नर डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, साध्वी डॉ. राकेश हरिप्रिया, सन्त रामदास महाराज (अयोध्या), सन्त सेवानंद ब्रह्मचारी, पार्षद राधाकृष्ण पाठक, निरंजन पाराशर (पानीपत), डॉ. अनूप शर्मा, डॉ. राधाकांत शर्मा तथा निर्मल आदि ने विचार व्यक्त किए। गीता आश्रम की ओर से स्वामी डा. अवशेषानंद महाराज ने सभी अतिथि संत और विदानों का आभार जताया। दोहराया कि स्वामी गीता नंद महाराज के सभी सेवा कार्य निरंतर चल रहे हैं और आगे भी चलते रहेंगे। देश विदेश से भी बड़ी संख्या में महाराज जी की शिष्यगण आए थे उन्होंने भी श्रद्धांजलि दी। संचालन आचार्य राजेंद्र द्विवेदी एवं पंडित निर्मल द्विवेदी ने की।

मेंहदावल पुलिस ने किया गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मेंहदावल पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर मय रोटावेटर भी बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान गिरीश चन्द्र साहनी पुत्र लालमन साहनी के रूप में हुई है। वह मूल रूप से माडर, थाना सहजनवा, जनपद गोरखपुर का निवासी है और वर्तमान में घूरापाली, थाना मेंहदावल क्षेत्र में रह रहा था। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदवन सिंह के पर्यवेक्षण में की गई। प्रभारी निरीक्षक थाना मेंहदावल रामाज्ञा सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक राकेश कुमार और कांस्टेबल अरुण यादव की टीम ने मंगलवार को अभियुक्त को उसके घर से नियमानुसार गिरफ्तार किया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय भेज दिया। साथ ही घटना में इस्तेमाल किया गया एक ट्रैक्टर और उससे जुड़ा रोटावेटर भी बरामद किया गया है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, 23 नवंबर 2026 को घूरापाली निवासी रामआजाद कन्नौजिया पुत्र पूर्णमासू कन्नौजिया ने थाना मेंहदावल में प्रार्थना पत्र देकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि गिरीश चन्द्र साहनी ने उनके पिता पूर्णमासी कन्नौजिया को ट्रैक्टर में लगे रोटावेटर में फंसाकर उनकी हत्या कर दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले में मुकदमा अपराध संख्या 476/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 238 और 127(2) में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मेंहदावल पुलिस ने दुकान में हुई चोरी का किया खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद में चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मेंहदावल पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस टीम ने दुकान में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी किए गए 4 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदवन सिंह के पर्यवेक्षण में की गई। प्रभारी निरीक्षक थाना मेंहदावल रामाज्ञा सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए चोरी के मामले में वांछित अभियुक्त प्रेमसागर पुत्र उदयराज साहनी निवासी इमिलिया, थाना उसका बाजार, जनपद सिद्धार्थनगर को सिक्टौर बाबू के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी के 4 हजार रुपये नकद बरामद हुए।

जानकारी के अनुसार 23 नवंबर 2026 को मनीष पुत्र त्रिलोकीनाथ निवासी मोहल्ला कुशफर, थाना मेंहदावल, जनपद संतकबीरनगर ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि मेंहदावल रोडवेज स्थित उनकी पान एवं जनरल स्टोर की दुकान में चोरी की घटना हुई है। शिकायत के आधार पर थाना मेंहदावल में मुकदमा अपराध संख्या 479/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 334(1) में अभियोग पंजीकृत किया गया था। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद घटना की जांच और आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। चोरी की घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस टीम ने उपलब्ध तथ्यों और सूचनाओं के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस ने प्रेमसागर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की रकम बरामद कर ली। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर दर्ज मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की गई है। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना मेंहदावल के उपनिरीक्षक अभय कुमार पांडेय, कांस्टेबल अनुराग कुमार सिंह और कांस्टेबल विशाल सिंह शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जनपद में चोरी सहित अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए अभियान लगातार जारी है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ दर्ज मामलों में आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

अज्ञात कारणों से झोपड़ी में लगी आग



वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बेलहर थाना क्षेत्र में बेलहर ब्लॉक मुख्यालय के निकट मंगलवार को अज्ञात कारणों से एक झोपड़ी में आग लग गई। आग की चपेट में आने से झोपड़ी में रखा गेहूं, पशुओं का चारा, कपड़े और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों की तत्परता से झोपड़ी में बंधे पशुओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरजा पुत्र अगरदी ने बताया कि वह चौराहे पर थे। इसी दौरान उन्हें फोन से सूचना मिली कि उनकी झोपड़ी में आग लग गई है। सूचना मिलते ही उन्होंने ग्रामीणों से मदद की गुहार लगाई। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास करते, तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। देखते ही देखते झोपड़ी में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों की सूझबूझ से झोपड़ी में बंधे पशुओं को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आग लगने से पीड़ित को काफी नुकसान हुआ है।

गोवर्धन विधानसभा सीट पर कांग्रेस की दावेदारी, मोहन शर्मा 'नेता' के नाम की चर्चा हुई तेज

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/गोवर्धन। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। भाजपा जहां एनडीए गठबंधन के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में है, वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर राजनीतिक चर्चाएं जारी हैं। ऐसे में गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र-83 में भी संभावित प्रत्याशियों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यदि गठबंधन में गोवर्धन विधानसभा सीट कांग्रेस के खाते में आती है तो वरिष्ठ कांग्रेसी पंडित नवरतन शर्मा के बड़े पुत्र मोहन शर्मा को प्रत्याशी बनाया जा सकता है। मोहन शर्मा का परिवार कई पीढ़ियों से कांग्रेस से जुड़ा रहा है। उनके बाबा और परदादा के समय से ही परिवार का कांग्रेस पार्टी के प्रति जुड़ाव रहा है। पंडित नवरतन शर्मा ने भी पार्टी संगठन में सक्रिय रहकर इस राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया है। मूल रूप से ग्राम पंचायत सकरवा और वर्तमान में दसविसा, गोवर्धन निवासी मोहन शर्मा अब विधानसभा क्षेत्र में अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ा रहे हैं। उनका कहना है कि वह राजनीति के माध्यम से जनता की सेवा करना चाहते हैं और इसके लिए उन्हें क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद और समर्थन चाहिए।

वहीं, जनपद के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री पंडित श्याम सुंदर शर्मा के कांग्रेस में शामिल होने के बाद क्षेत्र में पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। चर्चा है कि श्याम सुंदर शर्मा भी मोहन शर्मा को आगे बढ़ाने में सहयोग कर रहे हैं। ऐसे में गोवर्धन सीट पर कांग्रेस की दावेदारी मजबूत होने के साथ ही मोहन शर्मा का नाम संभावित प्रत्याशियों में प्रमुखता से लिया जा रहा है। हालांकि अंतिम निर्णय गठबंधन और कांग्रेस नेतृत्व की ओर से ही लिया जाएगा।

16 दिसंबर तक दर्ज करा सकेंगे दावे और आपत्तियां, 4 जनवरी 2027 को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची

जिलाधिकारी ने 2263 बीएलओ को घर-घर जाकर पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने के दिए निर्देश, 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के पंजीकरण पर विशेष जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों के मद्देनजर जिला प्रशासन ने मतदाता सूची को अधिक समावेशी और त्रुटिरहित बनाने के लिए विशेष अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। उन्होंने विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं और महिलाओं का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी पात्र लोगों को अपना मतदाता पंजीकरण अवश्य कराना चाहिए। जिलाधिकारी ने अभियान में लगे सभी 2263 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर जाकर पात्र मतदाताओं की पहचान करने और उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीएलओ अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से भ्रमण करें और ऐसे युवाओं की जानकारी जुटाएं, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है या निर्धारित पात्रता के अनुसार मतदाता बनने के योग्य हैं। ऐसे लोगों को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए फॉर्म-6 भरवाया जाए, ताकि उनका नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके।

उन्होंने महिलाओं के मतदाता पंजीकरण पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कई बार जानकारी के अभाव या किसी अन्य कारण से पात्र महिलाएं मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज नहीं करा पाती हैं। ऐसे में बीएलओ की जिम्मेदारी है कि वे घर-घर पहुंचकर महिलाओं को जागरूक करें और उनका पंजीकरण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होना प्रत्येक पात्र नागरिक का अधिकार है और प्रशासन का प्रयास होना चाहिए कि कोई भी योग्य व्यक्ति इस अधिकार से वंचित न रहे।

मतदाताओं की सुविधा के लिए 28 और 29 नवंबर को जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन कैंपों में बूथ लेवल अधिकारी मौजूद रहकर नागरिकों को मतदाता सूची से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराएंगे। नए मतदाताओं के नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म-6, अपात्र या मृतक मतदाताओं के नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 तथा मतदाता सूची में दर्ज नाम, पता और अन्य विवरणों में संशोधन के लिए फॉर्म-8 भरने की सुविधा मिलेगी। प्रशासन ने पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे इन विशेष कैंपों का लाभ उठाएं और अपने दस्तावेजों के साथ संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष कैंपों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुंच सके। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर लोगों को जागरूक करने के साथ युवाओं, महिलाओं और पहली बार मतदान करने वाले नागरिकों को पंजीकरण के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ अभियान को गंभीरता से संचालित करें। प्रशासन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, वर्तमान में जनपद में कुल 17,05,238 मतदाता पंजीकृत हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान नागरिक 16 दिसंबर तक अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसलिए जिन नागरिकों का नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीकरण कराएं। जिन मतदाताओं के नाम, पते या अन्य विवरणों में त्रुटियां हैं, वे भी समय रहते संशोधन के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें और परिवार के सभी पात्र सदस्यों, विशेषकर युवाओं और महिलाओं का नाम दर्ज कराने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदाता सूची में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम होना जरूरी है। 28 और 29 नवंबर को आयोजित होने वाले विशेष कैंप इस दिशा में महत्वपूर्ण अवसर हैं, जिनका अधिक से अधिक लोगों को लाभ उठाना चाहिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता पंजीकरण केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं मतदाता बनने के साथ अपने आसपास के पात्र लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। बीएलओ और संबंधित अधिकारी विशेष कैंपों के दौरान प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। प्रशासन का लक्ष्य है कि पुनरीक्षण अभियान के माध्यम से मतदाता सूची में सभी पात्र नागरिकों के नाम शामिल हों और किसी भी प्रकार की त्रुटि को दूर किया जा सके।

कार्तिक पूर्णिमा पर शारदा में गूंजे जयकारे, उमड़ा जनसैलाब

स्नान-दान के लिए पहुंचे श्रद्धालु, वाहनों की लंबी कतारों से आवागमन प्रभावित

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर मंगलवार को शारदा नदी के तट पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के दर्जनों गांवों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु खीरी जिले के महाराजनगर और कांपटांडा गांव के किनारे से होकर गुजरने वाली शारदा नदी में स्नान करने पहुंचे। सुबह तड़के से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। दिन चढ़ने के साथ ही नदी के घाट पर भीड़ बढ़ती चली गई।कार्तिक पूर्णिमा पर शारदा नदी में स्नान और दान-पुण्य का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इसी मान्यता के चलते क्षेत्र के लोग प्रत्येक वर्ष यहां पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाते हैं। इस बार भी नजीरगंज, सुल्तानपुर, किशनपुर, मुरादपुर, जगतपुर, कुरेर्या, जोगराजपुर, ककरौआ, बबरौआ, पटिहन, पिपरा, दौलतपुर, हमीरपुर, महादेव माती, सोंधा, बागर और सपहा समेत दर्जनों गांवों से श्रद्धालु परिवार सहित पहुंचे।श्रद्धालुओं ने शारदा नदी में स्नान कर पूजा-अर्चना की और दान-पुण्य करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। घाट पर सुबह से ही धार्मिक माहौल बना रहा। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की भी बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। श्रद्धालुओं की भीड़ पिछले वर्षों की अपेक्षा अधिक दिखाई दी।वहीं, अधिक भीड़ के चलते कांपटांडा गांव से शारदा नदी तक जाने वाले मार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। श्रद्धालुओं के निजी वाहनों की लंबी कतारें लगने से जाम जैसी स्थिति बन गई। नदी तक पहुंचने और स्नान के बाद वापस लौटने में लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई वाहन चालक काफी देर तक रास्ता खुलने का इंतजार करते रहे। श्रद्धालुओं का कहना था कि कार्तिक पूर्णिमा पर हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग यहां स्नान करने आते हैं, लेकिन इस बार भीड़ अधिक होने के कारण आवागमन में परेशानी हुई। इसके बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। आस्था और श्रद्धा के इस पर्व पर शारदा नदी के तट पर दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

कार्तिक पूर्णिमा पर चक्रतीर्थ कल्याणपुर पहुंचे डीएम-एसपी, व्यवस्थाओं का लिया जायजा



पीलीभीत। कार्तिक पूर्णिमा एवं गंगा स्नान पर्व के अवसर पर मंगलवार को श्रद्धालुओं की सुरक्षा और मेले में व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम चक्रतीर्थ कल्याणपुर पहुंचकर प्राचीन शिव मंदिर, मंदिर परिसर, सरोवर और मेला स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षित स्नान और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मेला परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों से सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं।अधिकारियों ने विशेष रूप से भीड़ प्रबंधन और सरोवर में स्नान करने पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना सामूहिक जिम्मेदारी : सांसद जगदंबिका पाल



वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि भारतीय संविधान के मूल्यों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। संविधान देश की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। वह मंगलवार को अपने कैंप कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। 26 जनवरी 1950 को यह लागू हुआ। वर्ष 2015 से 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। यह दिन संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित संविधान निर्माण में योगदान देने वाले महापुरुषों को याद करने का अवसर है। सांसद ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आह्वान पर 26 से 29 नवंबर तक देशभर में संविधान दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में 26 नवंबर को सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल में भव्य आयोजन होगा। इसमें विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों को संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

स्वामी प्रेम सुगंध महाराज से मिलने पहुंचे बागेश्वर धाम के प्रसिद्ध कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

मुख्यमंत्री मोहन यादव और डिप्टी सीएम केशव मौर्य के बाद एक और बड़ी हस्ती का आगमन

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर स्थित साक्षी फाउंडेशन आश्रम एक बार फिर विशिष्ट हस्तियों के आगमन को लेकर चर्चा में आ गया है। बागेश्वर धाम के प्रसिद्ध कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री मंगलवार शाम आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने आश्रम के संस्थापक स्वामी प्रेम सुगंध महाराज से मुलाकात की। धार्मिक क्षेत्र की इन दो प्रमुख हस्तियों की मुलाकात को लेकर क्षेत्र में चचाओं का दौर शुरू हो गया है। इससे पहले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी आश्रम पहुंचकर स्वामी प्रेम सुगंध महाराज से भेंट कर चुके हैं।जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब साढ़े सात बजे पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पूरनपुर स्थित साक्षी फाउंडेशन आश्रम पहुंचे। उनके आगमन को लेकर आश्रम परिसर में पहले से ही आवश्यक तैयारियां की गई थीं। यहां पहुंचने पर आश्रम के संस्थापक स्वामी प्रेम सुगंध महाराज ने उनसे मुलाकात की। दोनों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में बातचीत हुई और कुछ समय साथ बिताया। मुलाकात के बाद धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री उसी रात अपनी अगली यात्रा के लिए रवाना हो गए।धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के आश्रम पहुंचने की खबर सामने आते ही धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में इसकी चर्चा होने लगी। बागेश्वर धाम के प्रति श्रद्धा रखने वाले लोगों के बीच भी उनके पूरनपुर आगमन को लेकर उत्सुकता देखी गई। हालांकि उनका प्रवास संक्षिप्त रहा, लेकिन स्वामी प्रेम सुगंध महाराज से हुई इस मुलाकात ने आश्रम को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया।गौरतलब है कि साक्षी फाउंडेशन आश्रम पिछले कुछ समय से प्रमुख राजनीतिक और धार्मिक हस्तियों की आवाजाही को लेकर लगातार चर्चा में है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी यहां पहुंच चुके हैं। दोनों ने आश्रम के संस्थापक स्वामी प्रेम सुगंध महाराज से मुलाकात की थी। इसके अलावा भी विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी कई विशिष्ट हस्तियां आश्रम का दौरा कर चुकी हैं।लगातार हो रहे इन आगमन से पूरनपुर स्थित साक्षी फाउंडेशन आश्रम की चर्चा आसपास के क्षेत्रों तक पहुंच रही है। अब बागेश्वर धाम के प्रसिद्ध कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और स्वामी प्रेम सुगंध महाराज की मुलाकात ने इस चर्चा को और बढ़ा दिया है। धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों के लिहाज से आश्रम लगातार लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

खेतों में लहलहाने लगी मटर की फसल, किसानों के चेहरे खिले

दो सप्ताह बाद तैयार होने की उम्मीद, इस बार बढ़ सकता है मटर का उत्पादन; कई जिलों की मंडियों में होती है आपूर्ति

वेलकम इंडिया संवाददाता



अमरिया/पीलीभीत। क्षेत्र में इन दिनों खेतों में मटर की फसल लहलहाने लगी है। अधिकांश खेतों में मटर के पौधों पर फूल आने शुरू हो गए हैं। फसल की बढ़ती हरियाली और बेहतर स्थिति को देखकर किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। किसानों को उम्मीद है कि मौसम का मिजाज अनुकूल बना रहा तो इस बार मटर का उत्पादन पिछले वर्ष की अपेक्षा अधिक हो सकता है। करीब दो सप्ताह बाद फसल तैयार होने की संभावना जताई जा रही है।क्षेत्र में पिछले वर्ष की तुलना में इस बार अधिक किसानों ने मटर की खेती की है। खेतों में खड़ी फसल को देखकर किसान अच्छी पैदावार की उम्मीद लगाए बैठे हैं। किसानों का कहना है कि अभी तक मौसम फसल के अनुकूल बना हुआ है। यदि आगे भी मौसम इसी तरह रहा तो उत्पादन में बढ़ोतरी होने के साथ उन्हें बेहतर आमदनी मिल सकती है।अमरिया क्षेत्र में पैदा होने वाली मटर की मांग आसपास के जनपदों के अलावा दूर-दराज की मंडियों में भी रहती है। यहां से प्रयागराज, गोंडा, हल्द्वानी, बहराइच और लखनऊ समेत कई जिलों की मंडियों में मटर बिक्री के लिए भेजी जाती है। फसल तैयार होने के दौरान क्षेत्र में दर्जनों ठेकेदार खरीद और बिक्री के कारोबार में जुट जाते हैं। इससे किसानों के साथ ही मटर के व्यापार से जुड़े लोगों को भी रोजगार मिलता है।क्षेत्र के किसान मटर की खेती के साथ गन्ने की सहफसली खेती भी करते हैं। इससे खेतों का बेहतर उपयोग होने के साथ किसानों को एक ही वर्ष में तीन फसलें लेने का अवसर मिलता है। वहीं, कुछ किसान मटर की फसल की कटाई के बाद मेंथा आदि की खेती करते हैं। इस तरह किसान एक ही खेत से अलग-अलग फसलें लेकर अपनी आमदनी बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।क्षेत्र के हर्रायपुर, उदयपुर, लाहौरगंज, भैसहा, बांसखेड़ा, मुडलिया, धुंधरी, करगैना और पिंजरा समेत दर्जनों गांवों में बड़े पैमाने पर मटर की खेती की जा रही है। फिलहाल खेतों में लहलहाती फसल को देखकर किसानों को अच्छी पैदावार और बेहतर मुनाफे की उम्मीद है।

गांवों की चौखट तक पहुंचे डॉ. रत्नेश गंगवार

घर-घर सुनी समस्याएं, बोले- जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पीलीभीत। विधानसभा क्षेत्र बीसलपुर में डॉ. रत्नेश गंगवार ने गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों से जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी, नाली, साफ-सफाई समेत क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याएं उनके सामने रखीं। डॉ. गंगवार ने लोगों को भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा और समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।डॉ. रत्नेश गंगवार ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर केवल औपचारिक मुलाकात तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि लोगों के बीच बैठकर उनकी बात सुनी और क्षेत्र की जमीनी स्थिति को समझने का प्रयास किया। उन्होंने बुजुर्गों का हालचाल जाना और युवाओं से भी बातचीत कर उनकी अपेक्षाओं और सुझावों को समझा। जनसंपर्क के दौरान कई ग्रामीणों ने स्थानीय स्तर पर लंबे समय से चली आ रही समस्याओं की जानकारी दी।

इस अवसर पर डॉ. रत्नेश गंगवार ने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना और उनके बीच पहुंचना उनकी प्राथमिकता है। बीसलपुर की जनता का स्नेह, विश्वास और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास तभी संभव है, जब गांवों की वास्तविक समस्याओं को समझकर उनके समाधान की दिशा में ईमानदारी से प्रयास किए जाएं। ग्रामीणों के सुख-दुख में सहभागी बनना और उनकी आवाज को मजबूती से उठाना उनकी जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि जनसंपर्क का उद्देश्य केवल लोगों से मुलाकात करना नहीं, बल्कि उनकी जरूरतों और परेशानियों को करीब से जानना है। गांवों में बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जनभागीदारी भी जरूरी है।

भाई की पुण्यतिथि पर 300 से अधिक हेलमेट बांटकर दिया सुरक्षा का संदेश

दो साल पहले सड़क हादसे में हुई थी रजत चौबे की मौत, अधिकारियों ने यातायात नियमों के पालन के लिए किया जागरूक

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी









सिद्धार्थनगर। साड़ी चौराहे पर सोमवार को सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। दो वर्ष पूर्व सड़क हादसे में जान गंवाने वाले रजत चौबे की दूसरी पुण्यतिथि पर उनके परिजनों ने 300 से अधिक हेलमेट वितरित किए। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार और नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के अध्यक्ष गोविंद माधव ने लोगों को हेलमेट वितरित कर यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। इस दौरान एआरटीओ संजय सिंह और यातायात क्षेत्राधिकारी राम कुमार सिंह ने लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना बेहद जरूरी है। हेलमेट केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए है। वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें, तेज गति और लापरवाही से वाहन न चलाएं तथा सड़क पर अपनी और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें।कार्यक्रम के आयोजक और रजत चौबे के भाई जतिन चौबे ने बताया कि दो वर्ष पहले इसी दिन साड़ी चौराहे पर सड़क दुर्घटना में उनके भाई की मौत हो गई थी। हादसे के समय उन्होंने हेलमेट नहीं पहना था। उन्होंने कहा कि परिवार के साथ हुई घटना को बदला नहीं जा सकता, लेकिन लोगों को जागरूक कर ऐसी दुर्घटनाओं में जान जाने से बचाया जा सकता है। उन्होंने अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर पहनें, क्योंकि घर पर परिवार के लोग उनका इंतजार कर रहे होते हैं।

गुरुद्वारा नानकसर सिद्धनगर में धूमधाम से मना गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व

हजारों श्रद्धालुओं ने टेका मत्था, नगर कीर्तन का पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत; गतका प्रदर्शन और गुरु के अटूट लंगर ने बांधा समां

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। पीलीभीत और लखीमपुर खीरी जनपद की सीमा पर स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा नानकसर सिद्धनगर में मंगलवार को सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु गुरुद्वारा साहिब पहुंचे और श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेककर परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में रविवार से प्रारंभ हुए श्री अखंड पाठ साहिब का मंगलवार को समापन हुआ। मुख्य ग्रंथी बाबा वीर सिंह ने अरदास कर पाठ की समाप्ति कराई। इसके बाद धार्मिक दीवान में उन्होंने गुरु नानक देव जी के जीवन दर्शन और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए संगत से आपसी भाईचारा, समानता और मानव सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस दौरान लखीमपुर खीरी के संपूर्णानगर क्षेत्र के ग्राम प्रतापनगर (चीमा फार्म) स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा की संगत की ओर से निकाला गया भव्य नगर कीर्तन भी सिद्धनगर पहुंचा। मझरा, चीमा फार्म, कमलापुरी, पैड़ियां और राजू चौराहा होते हुए खजूरिया पहुंचे नगर कीर्तन का संगत ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। नगर कीर्तन में महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से पंज प्यारों, जत्थेदारों और सेवादारों को सरोपाओ भेंटकर सम्मानित किया गया। वहीं शहीद बाबा दीप सिंह गतका अखाड़ा महंगापुर की टीम ने बलराज सिंह के नेतृत्व में पारंपरिक गतका कला का शानदार प्रदर्शन किया। तलवारबाजी और हैरतअंगेज करतब देखकर संगत मंत्रमुग्ध हो गई।प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा परिसर में गुरु के अटूट लंगर की व्यवस्था रही। सेवादारों ने श्रद्धालुओं को पंगत में बैठाकर लंगर छकाया। पूरे दिन परिसर में सेवा, सिमरन और भक्ति का माहौल बना रहा।इस अवसर पर जत्थेदार बाबा दीपा सिंह, प्रधान रणजीत सिंह, उपप्रधान महेंद्र सिंह, मैनेजर साहब सिंह, गुरमेज सिंह, निशान सिंह, दलबीर सिंह, सतनाम सिंह सहित बड़ी संख्या में सेवादार और क्षेत्रीय ग्रामीण मौजूद रहे।

मरम्मत के चंद महीनों बाद ही उखड़ने लगी सड़क, जगह-जगह बने गहरे गड्ढे

गढ़वा खेड़ा से केसरपुर कला जाने वाले मार्ग पर सफर हुआ जोखिम भरा, मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर उठे सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता



गोरा/पीलीभीत। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में गढ़वा खेड़ा से सेहरामऊ होते हुए केसरपुर कला जाने वाला लिंक मार्ग बदहाली का शिकार हो गया है। हैरानी की बात यह है कि सड़क की मरम्मत हुए अभी कुछ ही महीने बीते हैं, लेकिन इसकी हालत दोबारा खराब होने लगी है। जगह-जगह सड़क की ऊपरी परत उखड़ गई है और गिट्टी-बजरी बाहर निकल आई है। इसके अलावा मार्ग पर बने गड्ढे राहगीरों के लिए मुसीबत बन रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, कुछ महीने पहले ही संबंधित विभाग की ओर से इस मार्ग की मरम्मत कराई गई थी। उस समय लोगों को उम्मीद जगी थी कि अब उन्हें लंबे समय तक जर्जर सड़क से राहत मिलेगी और आवागमन आसान हो जाएगा।लेकिन मरम्मत के कुछ ही समय बाद सड़क की हालत फिर बिगड़ने लगी। कई स्थानों पर बजरी उखड़कर सड़क पर फैल गई है, जबकि कुछ जगहों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, मजदूर, छात्र-छात्राएं और अन्य लोग आवागमन करते हैं। सड़क की खराब स्थिति के चलते सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को उठानी पड़ रही है। गड्ढों और बिखरी बजरी के कारण बाइक फिसलने का खतरा बना रहता है। वहीं चारपहिया वाहनों को भी निकलने में परेशानी हो रही है। रात के समय सड़क की खराब स्थिति हादसों का कारण बन सकती है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि मरम्मत कार्य में निर्धारित मानकों और गुणवत्ता का ध्यान रखा गया होता तो सड़क इतनी जल्दी खराब नहीं होती। कुछ ही महीनों में मार्ग की हालत बिगड़ने से मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से सड़क की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण कराने और मरम्मत कार्य की जांच कराने की मांग की है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो राहगीरों को किसी बड़े हादसे का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने मांग की है कि गड्ढों को भरने के साथ उखड़ी हुई सड़क की दोबारा मानकों के अनुरूप मरम्मत कराई जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी ग्रामीणों की इस समस्या पर कब संज्ञान लेते हैं।

दशाश्वमेध घाट पर 21 बटुकों की महाआरती, 21 डमरूओं की गूंज और 21 बेटियों ने संभाली नेतृत्व की कमान

151 लीटर दूध से हुआ मां गंगा का अभिषेक, मनोज तिवारी के भजनों ने बांधा समां

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। देव दीपावली के पावन पर्व पर धर्म और आध्यात्मिकता की नगरी काशी का प्राचीन दशाश्वमेध घाट आस्था के दीपों से जगमगा उठा। गंगोत्री सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित भव्य महाआरती में 21 बटुकों, 21 डमरुदलों और ऋद्धि-सिद्धि के स्वरूप में 21 बेटियों की सहभागिता ने सनातन संस्कृति की गौरवशाली परंपरा को जीवंत कर दिया। भगवान शिव, काशी की आध्यात्मिक विरासत और स्वच्छ गंगा को समर्पित इस आयोजन में दीपों की जगमगाहट, वैदिक मंत्रोच्चार और डमरुओं की गूंज ने ऐसा वातावरण बनाया कि पूरा घाट भक्तिमय हो उठा। गंगोत्री सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष पं. किशोरी रमण दुबे और सचिव पं. दिनेश शंकर दुबे के संयोजन में आयोजित महोत्सव में दशाश्वमेध घाट का नजारा देखते ही बन रहा था। दीपों से सजे घाट, गंगा की पावन लहरें और मंत्रोच्चार से गूंजता सिद्धपीठ माता शीतला का प्रांगण श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। महाआरती के दौरान 21 बटुकों ने एक साथ पारंपरिक विधि-विधान से मां गंगा की आराधना की, वहीं 21 डमरुओं की गूंज ने वातावरण को शिवमय कर दिया।

21 बेटियों ने ऋद्धि-सिद्धि के रूप में आयोजन का नेतृत्व कर भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका को भी प्रदर्शित किया। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने मां गंगा की आरती के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। वेदपाठी बटुकों के स्वस्तिवाचन के बीच सुमेरू पीठ के शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती के नेतृत्व में वैदिक रीति से मां गंगा का पूजन और स्तवन किया गया। इस दौरान 151 लीटर दूध से गंगा महारानी का अभिषेक किया गया। वैदिक मंत्रों के बीच संपन्न हुए पूजन के माध्यम से गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने का संदेश दिया गया। आयोजन में गंगा की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ उनके संरक्षण और प्रदूषणमुक्त बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। गंगा तट पर सिंहासन पर विराजमान मां गंगा की 108 किलोग्राम की अष्टधातु से निर्मित भव्य श्रृंगारिक प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। प्रतिमा के समक्ष हुई अलौकिक आरती के दौरान दीपों की लौ और गंगा की लहरों का अद्भुत दृश्य श्रद्धालुओं को भावविभोर करता रहा। शंखनाद, घंटियों की ध्वनि और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने मां गंगा के जयकारे लगाए। पूरे घाट पर भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। महाआरती के बाद प्रसिद्ध भोजपुरी गायक एवं अभिनेता तथा दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी ने भजनों की प्रस्तुति दी। उनके भक्तिमय गीतों ने देव दीपावली की संध्या को और भी खास बना दिया। भजनों की मधुर धुनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए और पूरा वातावरण भक्ति रस से सराबोर हो गया। काशी के लोकप्रिय गीतकार कन्हैया दुबे के डी के संयोजन में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे गंगा सेवक एवं नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने घाट पर मौजूद नागरिकों को गंगा की स्वच्छता और संरक्षण का संकल्प दिलाया। उन्होंने गंगा को स्वच्छ रखने में जनभागीदारी को आवश्यक बताते हुए सभी से धार्मिक आयोजनों के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता देने की अपील की।



आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष राज्य मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, महापौर अशोक तिवारी, विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, देश-विदेश से आमंत्रित अतिथियों और कई प्रतिष्ठित बैंकों के अधिकारियों एवं उनके परिवारों की गरिमामय उपस्थिति रही। समिति के संरक्षक पं. कन्हैया त्रिपाठी, गंगेश्वरधर दुबे, विजय गरोदिया, गणेशदत्त शास्त्री, संकठा प्रसाद और संजय यादव सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने आयोजन की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा की सराहना की तथा मां गंगा के संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने पर बल दिया। देव दीपावली के अवसर पर गंगोत्री सेवा समिति की ओर से काशी के पौराणिक केदार घाट पर भी मां गंगा की भव्य और विराट आरती का आयोजन किया गया। पं. संदीप कुमार दुबे के संयोजन में संपन्न इस आरती में श्रद्धालुओं ने मां गंगा के दर्शन कर अपनी आस्था प्रकट की। केदार घाट पर भी दीपों की रोशनी और आरती के दिव्य दृश्य ने भक्तों को आकर्षित किया। इस तरह दशाश्वमेध और केदार घाट पर आयोजित कार्यक्रमों में आध्यात्मिक परंपरा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और गंगा स्वच्छता के संदेश का सुंदर संगम देखने को मिला।

मोहनलाल सन्स ने वाराणसी में खोला अपना 40वां और देश का सबसे बड़ा स्टोर

145 वर्षों की गौरवशाली विरासत के साथ शादी-विवाह और उत्सवों के परिधानों की मिलेगी शानदार रेंज, भव्य समारोह में हुआ शुभारंभ

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भारत के प्रतिष्ठित और सबसे पुराने परिधान एवं रिटेल ब्रांडों में शामिल मोहनलाल सन्स ने वाराणसी के सिगरा चौराहे पर अपने 40वें स्टोर का भव्य शुभारंभ किया। खास बात यह है कि यह देशभर में ब्रांड का सबसे बड़ा स्टोर है। वर्ष 1881 में स्थापित इस ब्रांड ने अपनी 145 वर्षों की गौरवशाली विरासत को काशी की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और हथकरघा नगरी की पहचान के साथ एक नए आयाम में प्रस्तुत किया है। नए स्टोर के खुलने से बनारस के ग्राहकों को शादी-विवाह और अन्य विशेष अवसरों के लिए प्रीमियम परिधानों की विस्तृत रेंज एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। शादी-विवाह और उत्सवों के मौसम को ध्यान में रखते हुए स्टोर में पुरुषों के परिधानों का आकर्षक और विस्तृत संग्रह तैयार किया गया है। यहां ग्राहकों को टक्सीडो, बंदगला, जोधपुरी जैकेट, शेरवानी, सूट, प्रीमियम शर्ट, ट्राउजर, बच्चों के परिधान और विभिन्न प्रकार की विशेष एक्सेसरीज उपलब्ध होंगी। पारंपरिक भारतीय पहनावे से लेकर आधुनिक फैशन तक की विविध रेंज को इस तरह शामिल किया गया है कि ग्राहक अपनी पसंद, अवसर और व्यक्तित्व के अनुरूप परिधान चुन सकें।



नए स्टोर को शादी और उत्सवों के लिए पुरुषों के परिधानों की खरीदारी का संपूर्ण अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यहां पारंपरिक भारतीय परिधानों के साथ आधुनिक डिजाइन और प्रीमियम कलेक्शन का भी विशेष ध्यान रखा गया है। स्टोर में उपलब्ध विविध विकल्प ग्राहकों को शादी की रस्मों, पारिवारिक समारोहों और अन्य खास अवसरों के लिए एक ही छत के नीचे परिधान चुनने की सुविधा देंगे। ब्रांड की वर्षों पुरानी विरासत और गुणवत्ता के साथ ग्राहकों को खरीदारी का नया अनुभव उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। स्टोर के शुभारंभ अवसर पर ग्राहकों के लिए विशेष प्रीमियम उपहारों की भी व्यवस्था की गई। इससे खरीदारी का अनुभव और भी खास बन गया। ब्रांड का मानना है कि बनारस जैसे सांस्कृतिक और पारंपरिक शहर में अपनी उपस्थिति को विस्तार देना उसकी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मोहनलाल सन्स का वाराणसी में देश का सबसे बड़ा स्टोर शुरू होना शहर के फैशन, परिधान और शादी-विवाह की खरीदारी के बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। काशी की पारंपरिक पहचान और आधुनिक जीवनशैली के बीच यह स्टोर ग्राहकों को परिधानों के नए विकल्प उपलब्ध कराएगा। 145 वर्षों की विश्वसनीयता, परंपरा और गुणवत्ता के साथ ब्रांड ने काशीवासियों के लिए प्रीमियम खरीदारी का नया अनुभव प्रस्तुत किया है।

गुरुद्वारे में नन्हे-मुन्नों ने टेका मत्था, गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को जाना

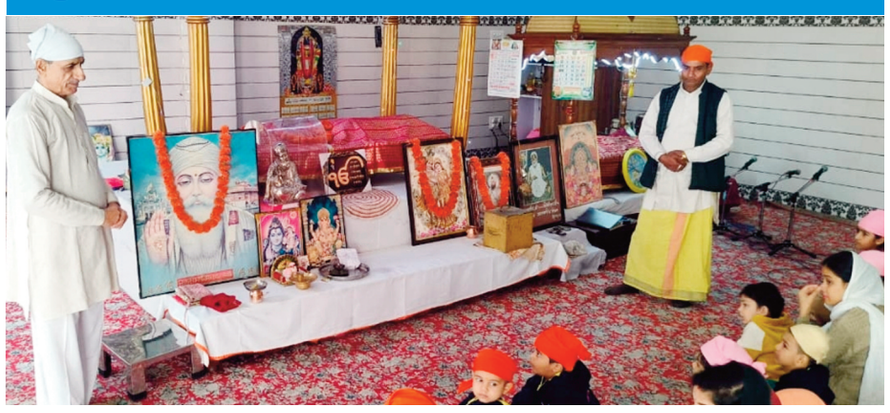

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई। गुरु नानक जयंती के अवसर पर मकून्स प्री-स्कूल, शिव कॉलोनी के बच्चों ने गुरुद्वारा पंजाबी सत्संग भवन पहुंचकर मत्था टेका और गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं के बारे में जाना। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय में प्रभात फेरी से हुई, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गुरुद्वारे में ग्रंथी साहब ने बच्चों को ह्यकिरत करो, नाम जपो और वंड छकोह्न का संदेश दिया। बच्चों ने कीर्तन सुना और भाईचारे, समानता व सेवा का महत्व समझा। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने बच्चों को प्रसाद वितरित किया। विद्यालय प्रबंधिका रश्मि खुराना एवं प्रधानाचार्या नीरू सिंघल ने बताया कि भ्रमण का उद्देश्य बच्चों में सभी धर्मों के प्रति सम्मान और नैतिक मूल्यों की भावना विकसित करना है।

श्री राधारमण की पंचम फेरी में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, भजनों पर झूमे भक्त



वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। कार्तिक मास के पावन अवसर पर सोमवार को नगर में श्री राधारमण लाल की पंचम संगीतमयी संध्या फेरी धूमधाम और भक्तिभाव के साथ निकाली गई। फेरी में उमड़े श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन और पुष्पवर्षा से पूरे नगर को वृंदावनमय कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गौरव बंसल, अनुजा बंसल और भाजयुमो नगराध्यक्ष मनोज गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। फेरी विभिन्न मार्गों से होती हुई पुख्ता बाजार स्थित हनुमान मंदिर छतरी वाले कुएं पहुंची, जहां बांके बिहारी जी की आरती के साथ समापन हुआ। वृंदावन से आए डॉ. भीष्म कपूर, भक्तमाल नवनीत प्रिय दास और ध्रुव लाड़ला ने राधा नाम संकीर्तन किया। वहीं सुमित गोयल, विक्की गोयल और शिवम सोनी के भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। समापन पर समाजसेवी चुन्नीलाल गोयल के आवास पर भव्य संकीर्तन हुआ। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा। आयोजन में पीयूष गर्ग, भारत गोयल, शिवम बंसल, सौरभ विरदी, अनुज अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, कनिष्क शर्मा, शकुंतला गोयल, पूनम बंसल, पायल गोयल और नीलम गोयल सहित अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियां तेज, व्यय संवेदनशील क्षेत्रों का होगा चिन्हांकन

धनबल और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए निर्देश, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराने पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान व्यय संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्रों के चिन्हांकन और उनसे संबंधित अंतिम प्रस्ताव तैयार करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जाए और निर्वाचन की तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। बैठक में विशेष रूप से ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने पर जोर दिया गया, जहां चुनाव के दौरान धनबल, अवैध खर्च या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों की आशंका हो सकती है। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और अपने स्तर से आवश्यक सूचनाएं जुटाकर व्यय संवेदनशील क्षेत्रों के चिन्हांकन का कार्य गंभीरता से पूरा करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अंतिम प्रस्ताव तैयार करते समय सभी आवश्यक पहलुओं का ध्यान रखा जाए, ताकि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता को समय रहते रोका जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव में धनबल और अवैध गतिविधियों का इस्तेमाल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। इसलिए ऐसे मामलों पर पहले से ही सतर्कता बरतना जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुरूप निगरानी व्यवस्था मजबूत रखी जाए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान सभी प्रत्याशियों और राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर तथा निष्पक्ष वातावरण बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी होगी।



बैठक में मतदाता सूची को अधिक समावेशी बनाने और नए मतदाताओं को जोड़ने के अभियान पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि इंटर कॉलेजों, महाविद्यालयों, औद्योगिक इकाइयों, श्रमिक अड्डों और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के बीच विशेष शिविर आयोजित किए जाएं। इन शिविरों के माध्यम से पात्र नागरिकों को मतदाता पंजीकरण के प्रति जागरूक किया जाए और उनका नाम मतदाता सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया पूरी कराई जाए। विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं को मतदान के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें मतदाता बनने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए शिक्षण संस्थानों में अभियान चलाया जाए। वहीं औद्योगिक क्षेत्रों और श्रमिक अड्डों पर काम करने वाले पात्र नागरिकों तक भी मतदाता पंजीकरण की जानकारी पहुंचाई जाए। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए जाएं, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रहे। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन की तैयारियों से जुड़े कार्यों में लापरवाही न बरती जाए। व्यय संवेदनशील क्षेत्रों के चिन्हांकन से लेकर मतदाता जागरूकता और नए मतदाताओं के पंजीकरण तक सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं।

सीआरपीएफ महानिदेशक ने काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी परिसर की सुरक्षा व्यवस्था परखी

95वीं बटालियन का निरीक्षण कर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की, जवानों को सतर्कता और अनुशासन बनाए रखने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने अपने वाराणसी दौरे के दौरान 95वीं बटालियन का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेकर उसे और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बटालियन की सुरक्षा तैयारियों, प्रशासनिक व्यवस्थाओं और जवानों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने के निर्देश दिए। महानिदेशक ने बटालियन परिसर में अधीनस्थ अधिकारी मेस के नवनिर्मित डाइनिंग हॉल का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों से सुरक्षा तैयारियों और प्रशासनिक कार्यों की जानकारी ली। अपने दौरे के दौरान उन्होंने अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील श्री काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का भी बारीकी से जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।







इसके उपरांत महानिदेशक ने सरैयाबाद, किला कोहना और नमो घाट क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा सीआरपीएफ को जवानों के आवास एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए उपलब्ध कराई गई भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद राजस्व विभाग के अधिकारियों से भूमि से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा आवश्यक जानकारी प्राप्त की। जवानों के लिए बेहतर आवासीय और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था को लेकर भी संबंधित अधिकारियों से विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद महानिदेशक ने 95वीं बटालियन मुख्यालय स्थित पहाड़िया मंडी कैंप का भ्रमण किया। यहां आयोजित सैनिक सम्मेलन में उन्होंने अधिकारियों और जवानों से सीधा संवाद किया। उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा में तैनात जवानों को हर परिस्थिति में पूरी सतर्कता और सजगता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने जवानों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और उच्च स्तर की व्यावसायिक दक्षता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। सैनिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने 95वीं बटालियन के अधिकारियों एवं जवानों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और व्यावसायिक दक्षता की प्रशंसा करते हुए कहा कि बल की प्रतिष्ठा और सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती जवानों की मेहनत, अनुशासन तथा जिम्मेदारी के प्रति समर्पण पर निर्भर करती है। उनके दौरे और मार्गदर्शन से बटालियन के अधिकारियों एवं जवानों में उत्साह का संचार हुआ और उनका मनोबल बढ़ा। इस अवसर पर विशेष महानिदेशक दीपक कुमार, पुलिस महानिरीक्षक अनिल कुमार, मध्य सेक्टर लखनऊ, पुलिस उपमहानिरीक्षक संजय कुमार, रेंज चंदौली, पुलिस उपमहानिरीक्षक राकेश कुमार, ग्रुप केंद्र चंदौली, 95वीं बटालियन के कमांडेंट आर.एस. बालापुरकर, राजेश कुमार सिंह,

गुरु नानक देव जी के 557 वें प्रकाश पर्व पर निष्काम ने प्रस्तुत किया मानवता की सेवा का अनूठा उदाहरण

पोर्टेबल ऑक्सीजन सिलेंडर के लंगर की शुरूआत, आपातकालीन स्थिति में 24 घंटे मिलेगी निःशुल्क सहायता

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सेवा, समर्पण और मानवता की भावना को साकार करते हुए निष्काम सेवक जत्था समिति ने साहिब श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर गोविंदपुरी स्थित निष्काम भवन में जरूरतमंद मरीजों के लिए पोर्टेबल ऑक्सीजन सिलेंडर के लंगर के रूप में एक नई मेडिकल सेवा की शुरूआत की। इस पहल के माध्यम से समिति ने जरूरत के समय मरीजों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की अपनी सेवा परंपरा को एक कदम और आगे बढ़ाया।

निष्काम के मुख्य संरक्षक चानन लाल ढींगरा के करकमलों द्वारा इस नई सेवा का विधिवत शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने सदैव मानवता की सेवा, परोपकार और जरूरतमंदों की सहायता का संदेश दिया है। निष्काम इसी विचारधारा से प्रेरित होकर निरंतर समाजसेवा के कार्यों में जुटा है। प्रत्येक वर्ष गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर एक नई मेडिकल सेवा शुरू करना इसी भावना का प्रतीक है और यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी।

निष्काम के वरिष्ठ सदस्य श्री प्रेम कुमार चचड़ा ने कहा कि पोर्टेबल ऑक्सीजन सिलेंडर का यह लंगर विशेष रूप से उन मरीजों के लिए उपयोगी होगा, जिन्हें आपातकालीन



परिस्थितियों में तत्काल ऑक्सीजन की आवश्यकता पड़ती है। इससे जरूरतमंद परिवारों को कठिन समय में महत्वपूर्ण सहायता मिल सकेगी।

निष्काम के संस्थापक एवं अध्यक्ष सरदार जसमीत सिंह ने बताया कि इस अवसर पर दस लीटर क्षमता वाली एल्यूमिनियम की पोर्टेबल ऑक्सीजन सिलेंडर किट की सेवा शुरू की गई है। प्रारंभिक तौर पर पांच सिलेंडर किट के साथ इस सेवा का सांकेतिक शुभारंभ किया गया है किन्तु समिति का लक्ष्य भविष्य में इनकी संख्या बढ़ाकर कम से कम 50 करना है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद मरीजों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि एल्यूमिनियम सिलेंडर हल्के वजन के होने के कारण आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाए जा सकते हैं और आवश्यकता पड़ने पर दोपहिया वाहन से भी इनका परिवहन संभव है।

नई पोर्टेबल ऑक्सीजन सिलेंडर सेवा भी जरूरतमंदों के लिए पूर्णतः निःशुल्क रहेगी जिसे आपातकालीन आवश्यकता पड़ने पर मरीजों के परिजन निष्काम भवन से प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए निष्काम हेल्पलाइन नंबर 8401840191 पर 24 घंटे संपर्क किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान निष्काम परिवार के सदस्यों ने एकत्रित होकर गुरु साहिब के चरणों में अरदास की। उपरांत मिष्ठान का प्रसाद वितरित कर प्रकाश पर्व की खुशियां साझा की गईं।

इस अवसर पर समिति से ज्ञानी रविन्द्र सिंह, प्रेम कुमार चचडा, सुरेंद्र राजन मक्कड, टि्वंकल बत्रा, लवली सचदेवा, कुलवंत सिंह, गुरमीत सिंह, राहुल बाबा, रविन्द्र कुमार, रविन्द्र सिंह, जसबीर भूटानी, सुनील नारंग, जसमिन्दर सिंह, मनदीप सिंह, अनुप्रीत कौर, मनदीप कौर, हर्षी बत्रा, एकता सचदेवा, अंजली उपाध्याय, मनप्रीत सिंह, हरसिमर सिंह एवं मनजोत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विकास पंडित को भाजपा किसान मोर्चे में मंडल अध्यक्ष बनाया, कार्यकर्ताओं ने दी शुभकामनाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता



मुरादनगर। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष चेनपाल और भाजपा जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा देवेंद्र डायमंड और दीपक गुर्जर मंडल अध्यक्ष भोजपुर द्वारा विकास पंडित को मंडल अध्यक्ष को एक बार फिर दोबारा जिम्मेदारी बनाया है। विकास पंडित भाजपा में पूर्व में युवा मोर्चा में मंडल अध्यक्ष थे और अब किसान मोर्चे में मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। विकास पंडित ने पार्टी के नेताओं का आभार व्यक्त किया है। विकास पंडित ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौपी है वह उन्हें पूरी तरह से निभाएंगे और पार्टी की नीति और कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। विकास पंडित गांव पलौता भोजपुर ब्लॉक एलएलबी ज्ञानस्थली कॉलेज के छात्र भी है। मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देने वाले देवेंद्र डायमंड जिला अध्यक्ष गाजियाबाद, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष भोजपुर दीपक गुर्जर, सचिन शर्मा बेगमाबाद जिला उपाध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, आशीष चौधरी ब्लॉक प्रमुख पति, सुनील राठी, प्रमोद राठी, पुष्पेंद्र रावत, अंकित गुर्जर हिंदू युवा वाहिनी, भोजपुर ब्लॉक अध्यक्ष, पंडित दीपक वत्स पूर्व सभासद, प्रिंस राठी, गौतम मालिक, अमित चौधरी जिला उपाध्यक्ष, पप्पन शर्मा, बॉबी पंडित, अशोक पंडित भाजपा नेता, आदि कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं दी।

गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा सिंह सभा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। धर्म, जाति और अमीरी-गरीबी की दीवारों से ऊपर उठकर एक-दूसरे को गले लगाने और प्रेम-सद्भाव के साथ रहने का संदेश देने वाला गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व मंगलवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं आज भी समाज को एकता, समानता और भाईचारे के सूत्र में बांधने का काम कर रही हैं। इसी भावना के साथ रेलवे रोड, बजरिया स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में बड़ी संख्या में संगत ने एकत्र होकर गुरु के दरबार में माथा टेका। यहां हर धर्म और वर्ग के लोगों ने एक साथ बैठकर गुरु वाणी सुनी और लंगर ग्रहण कर आपसी प्रेम और समानता की मिसाल पेश की। गुरुद्वारे में 22 नवंबर को शुरू हुए अखंड पाठ की मंगलवार को विधिवत समाप्ति हुई। अखंड पाठ की सेवा गुरु घर के सेवादार आरपी सिंह के परिवार की ओर से की गई। इसके उपरांत सर्वकल्याण, आपसी प्रेम और विश्व में सुख-शांति के लिए अरदास हुई। संगत के बीच कड़ा प्रसाद वितरित किया गया। इसके बाद गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के हजूरी रागी संत सिंह ने कीर्तन किया। स्त्री सत्संग की ओर से भी गुरु जस गायन किया गया। पंजाब के नाडा साहिब से पहुंचे कीर्तनी अंशदीप सिंह ने अपने जत्थे के साथ गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं और उनके जीवन संदेश को कीर्तन के माध्यम से प्रस्तुत किया। दोपहर दो बजे तक चले कीर्तन में श्रद्धालु भाव-विभोर होकर गुरु वाणी से जुड़े रहे। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान इंदरजीत सिंह टीटू ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने पूरी दुनिया को प्रेम, समानता और मानवता का संदेश दिया।

अलंकार योजना के अंतर्गत महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज के कायाकल्प कार्यों का विधिवत शुभारंभ



मुरादनगर(वेलकम इंडिया)। विधानसभा क्षेत्र के गोविंदपुरी स्थित महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज में अलंकार योजना के अंतर्गत विद्यालय के कायाकल्प एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्यों का विधायक डॉ. मंजू शिवाच द्वारा विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आयोजित हवन-यज्ञ में भी सहभागिता कर सभी के सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य तथा विद्यालय की निरंतर प्रगति की कामना की। इस परियोजना के अंतर्गत 25 लाख की धनराशि विधायक निधि से तथा 75 लाख की धनराशि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा स्वीकृत की गई है। इस प्रकार कुल 1 करोड़ की लागत से विद्यालय में विभिन्न विकास एवं कायाकल्प कार्य कराए जाएंगे। इस अवसर पर विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों में आधुनिक सुविधाओं का विकास कराना और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। हमारा प्रयास है कि मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त हों। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद मोदीनगर के चेयरमैन विनोद वैशाली, कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अंशु सिंह सहित विद्यालय परिवार एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर बड़ी संख्या में संगत ने गुरुद्वारे पहुंचकर गुरु घर में माथा टेका





वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादनगर। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर मंगलवार को आयुध निमार्णी फैक्टरी मार्ग स्थित श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारे में श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। रागी जत्थे ने शब्द कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल किया। इस दौरान बड़ी संख्या में संगत ने गुरुद्वारे पहुंचकर गुरु घर में माथा टेका।

रागी जत्थे ने श्री गुरु नानक देव जी की महिमा का गुणगान करते हुए मनमोहक शब्द कीर्तन प्रस्तुत किए। गुरुवाणी सुनकर संगत निहाल हुई। गुरुद्वारा सचिव दर्शन सिंह ने संगत को श्री गुरु नानक देव जी के जीवन, उनकी शिक्षाओं और मानवता के प्रति उनके संदेशों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने हमेशा समाज को एकता, प्रेम, समानता और सेवा का मार्ग दिखाया। अरदास के बाद गुरु का अटूट लंगर बरताया गया। इसमें बड़ी संख्या में संगत ने पंक्तिबद्ध बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। संगत ने सेवा भाव के साथ लंगर व्यवस्था में भी सहयोग किया। इस अवसर पर आयुध निमार्णी फैक्टरी के कार्यकारी निदेशक कमलेश कुमार, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी, विनोद जिंदल, डॉ. राजपाल तोमर, डॉ. अरुण भारद्वाज, मुनिराज त्यागी, विपिन शर्मा, अमरजीत सिंह, परमजीत सिंह, ओंकार सिंह, जसविंदर सिंह, गगनदीप सिंह, तेजविंदर सिंह टोनी, टीटी सिंह, राजिंदर कौर, सोनी, हनी, मनी, हरमनजीत सिंह, मनराज सिंह और मंजू सिंह, लक्की धमीजा सहित बड़ी संख्या में संगत मौजूद रही।

श्री सत्यनारायण भगवान की कथा एवं भंडारे का आयोजन



वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादनगर। परमपिता भगवान की अनुकम्पा से गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीमती स्व शारदा देवी एवं डॉ0 जगदीश प्रसाद शर्मा के निवास स्थान अमर भवन' गोयलपुरी में'श्री सत्यनारायण भगवान की कथा' एवं भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालु जनों व गणमान्य लोगों ने धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों का आयोजक डॉ जगदीश प्रसाद शर्मा डॉ0 अनिल शर्मा,राजन शमार्ने आभार व्यक्त किया।

एसडीएम एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित

28 एवं 29 नवंबर को किए जाएंगे विशेष शिविर दिवस आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता



मुरादनगर। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसएसआर) के संबंध में एसडीएम एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मोदीनगर श्रीमती कोमल पवार की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को प्रभावी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने तथा अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अवगत कराया गया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत 28 नवंबर 2026 एवं 29 नवंबर 2026 को विशेष शिविर दिवस आयोजित किए जाएंगे। इन दोनों दिनों में सभी बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक अपने-अपने संबंधित मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर मतदाताओं की सहायता करेंगे तथा मतदाता सूची से संबंधित आवश्यक कार्य संपादित करेंगे। इसके अतिरिक्त विधानसभा क्षेत्र 57-मोदीनगर के कम लिंगानुपात वाले मतदान केंद्रों पर लिंगानुपात में सुधार लाने एवं पात्र महिला मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित कराने के लिए सभी प्रतिनिधियों से आवश्यक सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया गया।

एसडीएम एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्रीमती कोमल पंवार ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल कराने में सहयोग प्रदान करने की अपील की।

शादी का झांसा देकर युवती का शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार, 14 शादियों का दावा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नंदग्राम थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म और उसका गर्भपात कराने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान राजस्थान के बीकानेर निवासी नरेंद्र शर्मा (32) के रूप में हुई है। वह फिलहाल दिल्ली के गोविंदपुरी क्षेत्र के तुगलकाबाद इलाके में रह रहा था। पीड़िता ने आरोपी पर इससे पहले 14 शादियां करने का दावा किया है। हालांकि, पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अन्य शादियां करने से इनकार किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि आरोपी की पहचान युवती से जीवनसाथी एप के माध्यम से हुई थी। आरोप है कि उसने शादी का झांसा देकर युवती से संबंध बनाए। इस दौरान युवती गर्भवती हो गई तो आरोपी ने उसका गर्भपात करा दिया। पीड़िता की शिकायत पर 22 नवंबर को आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता का दावा है कि आरोपी जीवनसाथी एप के जरिए अन्य युवतियों से भी संपर्क करता है और शादी का झांसा देकर उनका शोषण करता है। उसने आरोपी की तीन-चार युवतियों के साथ तस्वीरें भी पुलिस को दिखाई हैं। वहीं, आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसकी पीड़िता से बातचीत जीवनसाथी एप के जरिए शुरू हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच जान-पहचान बढ़ी। आरोपी के मुताबिक, 25 सितंबर 2025 को वह मेरठ गया था, जहां परिवार की सहमति से शादी की बात हुई थी। इसके बाद दोनों साथ रहने लगे। उसने दावा किया कि दोनों के बीच आपसी सहमति से संबंध बने और युवती गर्भवती हो गई। आरोपी ने मानसिक परेशानी का हवाला देते हुए गर्भपात कराने की बात स्वीकार की है।

12,500 मीटर नई सीवर लाइन के साथ 3,600 घरों को मिलेंगे मुफ्त सीवर कनेक्शन, महापौर सुनीता दयाल ने किया शिलान्यास

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। शहर के शांति नगर और हरवंश नगर के लोगों को लंबे समय से चली आ रही सीवर समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर निगम ने बड़ी पहल की है। विजय नगर क्षेत्र के वार्ड 27 शांति नगर और सिटी जोन के वार्ड 32 हरवंश नगर एवं भट्टा रोड पर करीब 9 करोड़ 12 लाख रुपये की लागत से नई सीवर लाइन बिछाने और 3,600 घरों को मुफ्त सीवर कनेक्शन देने के कार्य का महापौर सुनीता दयाल ने मंगलवा को नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। इस परियोजना के तहत कुल 12,500 मीटर सीवर लाइन बिछाई जाएगी। महापौर की इस सौगात से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल रहा। लोगों ने आतिशबाजी कर और महापौर का स्वागत करते हुए उनका आभार जताया। शिलान्यास कार्यक्रम में पार्षद नरेश जाटव, पार्षद सुभाष चौधरी और पूर्व पार्षद राकेश त्यागी सहित स्थानीय लोग मौजूद रहे। इन दोनों क्षेत्रों में लंबे समय से सीवर लाइन डालने की मांग की जा रही थी।

स्थानीय पार्षदों ने भी इस समस्या को कई बार नगर निगम के समक्ष उठाया था। महापौर सुनीता दयाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों के साथ बैठक कर समस्या के स्थायी समाधान पर चर्चा की। इसके बाद सीवर लाइन के साथ ही घरों को मुफ्त कनेक्शन देने का प्रस्ताव तैयार कराया गया। 15वें वित्त आयोग की धनराशि से दोनों परियोजनाओं को स्वीकृति दिलाकर निविदा प्रक्रिया पूरी की गई और अब निर्माण कार्य शुरू कराया गया है। विजय नगर जोन के वार्ड 27 शांति नगर में करीब 4 करोड़ 23 लाख रुपये की लागत से सीवर लाइन बिछाने का कार्य किया जाएगा। इसके अंतर्गत विभिन्न गलियों में 450 एमएम व्यास की 400 मीटर और 300 एमएम व्यास की 5,985 मीटर नई एनपी-03 सीवर लाइन डाली जाएगी। इस परियोजना के तहत कुल 2,000 सीवर संयोजन भी किए जाएंगे। इससे क्षेत्र के घरों को सीवर नेटवर्क से जोड़ में सुविधा मिलेगी और लोगों को अलग से कनेक्शन कराने के लिए खर्च नहीं उठाना पड़ेगा। महापौर ने कहा कि जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े और विकास कार्यों का वास्तविक लाभ लोगों तक पहुंचे, इसी सोच के साथ योजना तैयार की गई है। भविष्य में भी शहर में इसी तरह मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यक्रम में पार्षद नरेश जाटव ने कहा कि वार्ड 27 में पहले विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कराना भी मुश्किल होता था, लेकिन वर्तमान महापौर ने बिना किसी भेदभाव के पक्ष और विपक्ष के पार्षदों के क्षेत्रों में काम कराए हैं। उनके अनुसार वार्ड 27 में ही करीब 20 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत कराए गए हैं। उन्होंने महापौर का आभार जताते हुए कहा कि सीवर लाइन और मुफ्त कनेक्शन से क्षेत्र के हजारों परिवारों को राहत मिलेगी। सिटी जोन के वार्ड 32 हरवंश नगर और भट्टा रोड पर करीब 4 करोड़ 89 लाख रुपये की लागत से सीवर लाइन डालने का कार्य होगा। यहां विभिन्न गलियों में 300 एमएम व्यास की 5,200 मीटर और 450 एमएम व्यास की 900 मीटर नई एनपी-03 सीवर लाइन बिछाई जाएगी। इसके साथ ही 1,600 घरों को सीवर कनेक्शन दिए जाएंगे। दोनों परियोजनाओं को मिलाकर कुल 12,485 मीटर सीवर लाइन और 3,600 सीवर संयोजन का कार्य प्रस्तावित है।

आईटीएस मोहन नगर में यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आईटीएस मोहन नगर में सोमवार को विद्यार्थी जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। द्रोणाचार्य सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में गाजियाबाद जिला यातायात पुलिस के अधिकारियों ने पीजीडीएम और एमबीए के 2026-28 बैच के विद्यार्थियों को सुरक्षित वाहन संचालन और जिम्मेदार सड़क व्यवहार की जानकारी दी। अधिकारियों ने विद्यार्थियों से यातायात नियमों का पालन करने के साथ दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम का शुभारंभ आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अजय कुमार और अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता के प्रतीक स्वरूप पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। अर्पित चड्ढा ने कहा कि विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने के साथ समाज के प्रति अपने दायित्वों को भी समझना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से यातायात नियमों का पूरी निष्ठा से पालन करने और अपने परिवार व आसपास के लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। सहायक पुलिस आयुक्त यातायात अजय मेहरवाल ने सुरक्षित वाहन संचालन, पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सड़क पर सतर्कता बनाए रखने की जरूरत बताई। अपर पुलिस उपायुक्त यातायात वरुण सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। सड़क संकेतों और यातायात सिग्नल का पालन करना तथा नियमों का उल्लंघन नहीं करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। पुलिस उपायुक्त यातायात त्रिगुण बिशेन ने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और तेज गति से वाहन नहीं चलाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय की गई छोटी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है।

गाजियाबाद में प्रभारी मंत्री का मैराथन दौरा, सुरक्षा से स्वास्थ्य सेवाओं तक की समीक्षा

अतिक्रमण हटाने, जाम से मुक्ति और गड्ढामुक्त सड़कों के निर्देश, एमएमजी अस्पताल पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का किया निरीक्षण










वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिले के प्रभारी मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार देर रात से मंगलवार तक जनपद का दौरा कर कानून-व्यवस्था और विकास कार्यों का जायजा लिया। देर रात उन्होंने पुलिस गश्त का निरीक्षण किया और कोतवाली नगर में औचक पहुंचकर अभिलेखों एवं व्यवस्थाओं की जांच की।

इसके बाद विकास भवन में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा की। मंत्री ने पुलिस आयुक्त को संबंधित विभागों के साथ संयुक्त टीम बनाकर सड़कों से अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के दौरान रेहड़ी-पटरी संचालकों की आजीविका प्रभावित न हो।

सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने, निर्बाध बिजली आपूर्ति और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने पात्र लोगों को पेंशन, राशन कार्ड और स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ दिलाने, किसानों को समय पर खाद-बीज तथा सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाने के लिए अभियान चलाने को भी कहा। दोपहर करीब तीन बजे मंत्री ने एमएमजी अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली और चिकित्सकों को सेवा भाव से उपचार करने की नसीहत दी।

इस दौरान महापौर सुनीता दयाल, विधायक संजीव शर्मा, नंदकिशोर गुर्जर, पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड़, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

खाकी और कलम का अनूठा संगम, पांच एसीपी को पत्रकारों ने दी भावभीनी विदाई

सम्मान समारोह में याद किए गए कार्यकाल के अनुभव, बेहतर पुलिस-मीडिया समन्वय की हुई सराहना

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन स्थित विवारा बैंक्विट में मंगलवार को गाजियाबाद से स्थानांतरित हो रहे पांच सहायक पुलिस आयुक्तों के सम्मान में पत्रकारों ने विदाई समारोह आयोजित किया।

समारोह में एसीपी भास्कर वर्मा, सूर्यबली मौर्य, जियाउद्दीन अहमद, सिद्धार्थ गौतम और प्रियाश्री पाल को भावभीनी विदाई दी गई। एसीपी अमित सक्सेना भी मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार पीयूष गौड़, रमन शर्मा, इमरान खान, पिंटू तोमर, मयंक गौड़, वैभव शर्मा और अभिषेक शर्मा ने अधिकारियों के साथ बिताए अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल कानून-व्यवस्था और जनहित के मुद्दों को मजबूती देता है।

अधिकारियों ने पत्रकारों के सहयोग के लिए आभार जताया और नई तैनाती पर भी जनसेवा जारी रखने का संकल्प दोहराया।





समारोह में बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

साहीवाल गायों के पालन से रमन मलिक बनीं आत्मनिर्भर, सालाना 5 लाख तक कमा रहीं



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। ग्राम दुहाई निवासी प्रगतिशील पशुपालक रमन मलिक स्वदेशी साहीवाल गायों के वैज्ञानिक पालन से आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। वे कृष्णा नर्सरी एवं एग्रो फार्म का संचालन कर पशुपालन को रोजगार का सफल माध्यम बना चुकी हैं। रमन मलिक अपने फार्म पर साहीवाल नस्ल की गायों का पालन कर दूध, शुद्ध घी, बछिया-बछड़ों की बिक्री और गोबर से वर्मी कम्पोस्ट तैयार कर आय के कई स्रोत विकसित कर रही हैं। इससे उन्हें प्रतिवर्ष करीब 4 से 5 लाख रुपये की आमदनी हो रही है। मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना के तहत उन्हें 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी मिली है। स्वदेशी गोवंश के संरक्षण और संवर्धन में योगदान के लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार उन्हें सम्मानित कर चुकी हैं। रमन मलिक ने पशुपालन विभाग के मार्गदर्शन के लिए आभार जताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद किया। उनकी सफलता सरकारी योजनाओं के सकारात्मक परिणामों और स्वदेशी गोपालन से आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने की प्रेरक मिसाल बन रही है।

फर्रुखनगर में टेंट हाउस के गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। फर्रुखनगर स्थित असालतपुर में मंगलवार तड़के एक टेंट हाउस के गोदाम में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही साहिबाबाद फायर स्टेशन की टीम दमकल गाड़ी के साथ मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, 24 नवंबर को रात 1:48 बजे फायर स्टेशन साहिबाबाद को शनि मंदिर, असालतपुर, फर्रुखनगर स्थित शैलेंद्र पुत्र नरेंद्र कुमार शर्मा के टेंट हाउस के गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी।

दमकल कर्मियों ने एमएफई से हौज लाइन बिछाकर तेजी से आग बुझाने का काम शुरू किया। फायर सर्विस की तत्परता से कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। हालांकि, आग की चपेट में आकर गोदाम में रखा टेंट का सामान जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस भी मौजूद रही। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।





अराध्या शेरावत की घातक गेंदबाजी से भवानी गर्ल्स की टीम लड़खड़ाई, झटके छह विकेट



- प्रिया दर्शिनी के शतक और वृंदा शर्मा की शानदार पारी से शैडो स्ट्राइकर्स ने बनाए 254 रन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आज खेले गए गर्ल्स क्रिकेट मुकाबले में शैडो स्ट्राइकर्स की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 35 ओवर में 254 रन बनाए। टीम की ओर से प्रिया दर्शिनी ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 103 रन बनाए, जबकि वृंदा शर्मा ने 78 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भवानी गर्ल्स की टीम की गेंदबाज अराध्या शेरावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छह विकेट झटके और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। वहीं बल्लेबाजी में भवानी गर्ल्स की ओर से भवि ने 51 रन और रितिका अग्रवाल ने 34 रन बनाए। मुकाबले में अराध्या की घातक गेंदबाजी और प्रिया दर्शिनी के शतक ने खास आकर्षण बटोरा।

दादरी में पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़, गोली लगने से शातिर बदमाश घायल

9 चोरी के मोबाइल, पांच मोटरसाइकिल और तमंचा बरामद, साथी की तलाश में पुलिस की कॉम्बिंग

वेलकम इंडिया संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। दादरी क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान बुलंदशहर निवासी लोकेश के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ के बाद मौके से बदमाश के कब्जे से चोरी और छीने गए नौ मोबाइल फोन, एक तमंचा और कारतूस बरामद किए गए। वहीं, बदमाश की निशानदेही पर चोरी की चार अन्य मोटरसाइकिल भी बरामद हुई हैं। कुल बरामदगी में पांच मोटरसाइकिल और चांदी जैसी सफेद धातु के दो सिक्के शामिल हैं। मुठभेड़ के दौरान बदमाश का एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में आसपास के इलाके में कॉम्बिंग अभियान चला रही है। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।



कार्तिक पूर्णिमा पर गंगनहर घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब, तड़के चार बजे से शुरू हुआ स्नान

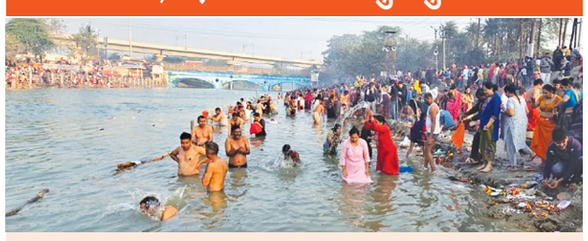

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादनगर। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को मुरादनगर गंगनहर घाट पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह चार बजे से पहले ही श्रद्धालुओं के घाट पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। तड़के से ही महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई। श्रद्धालुओं ने गंगनहर में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया और स्नान के बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर स्नान का विशेष धार्मिक महत्व होने के चलते आसपास के गांवों के साथ ही दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मुरादनगर गंगनहर घाट पहुंचे। सुबह होते-होते घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ गई। स्नान के बाद कई श्रद्धालुओं ने जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और धन का दान कर पुण्य कमाया।

100 की रफ्तार में नई महिंद्रा का स्टीयरिंग लॉक होने का दावा

स्कॉर्पियो-थार के ग्राहकों का शोरूम पर हंगामा

वेलकम इंडिया संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। महिंद्रा की नई गाड़ियों में तकनीकी खराबी के आरोपों को लेकर ग्राहकों ने ग्रेटर नोएडा में मोर्चा खोल दिया। बीटा-2 और साइट-4 क्षेत्र स्थित महिंद्रा शोरूम के बाहर ग्राहकों ने विरोध प्रदर्शन कर कंपनी के प्रति नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शनकारियों ने स्कॉर्पियो और थार जैसी नई गाड़ियों में तकनीकी खामियां होने की शिकायत की। वायरल रिपोर्टों और ग्राहकों के दावों के अनुसार, परी चौक से जेवर मार्ग पर करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही एक नई महिंद्रा गाड़ी का स्टीयरिंग अचानक लॉक हो गया। इस दावे ने गाड़ियों की सुरक्षा और गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इस घटना में गाड़ी पलटने या किसी के घायल होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्राहकों ने कंपनी से तकनीकी खामियों की जांच कराने और शिकायतों का समाधान करने की मांग की है।




नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने किया ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट का निरीक्षण, अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को दिए नियमित संचालन के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर में प्रतिदिन निकलने वाले कूड़े के निस्तारण की व्यवस्था को आधुनिक और प्रभावी बनाने की दिशा में नगर निगम ने कदम बढ़ाया है। नगर निगम की ओर से निदौरी गांव में क्लस्टर आधारित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट शुरू किया गया है। अत्याधुनिक मशीनों से लैस इस प्लांट में फिलहाल ट्रायल के रूप में कूड़े के निस्तारण की प्रक्रिया शुरू की गई है। मंगलवार को प्लांट के नियमित संचालन और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कूड़े के पृथक्करण से लेकर उसके निस्तारण तक की पूरी प्रक्रिया को देखा और संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं बेहतर बनाने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि शहर से निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि कूड़े की समस्या से राहत मिलने के साथ ही उससे उपयोगी उत्पाद भी तैयार किए जा सकें। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार और नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार भी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने नगर आयुक्त को प्लांट में स्थापित मशीनों, उनकी क्षमता और कचरे के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यदायी संस्था एडीओ ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक संजय गुप्ता और अंकित अग्रवाल ने प्लांट की कार्यप्रणाली का प्रदर्शन किया। नगर आयुक्त ने मौके पर कूड़े की छंटाई और उसके अलग-अलग हिस्सों के निस्तारण का डेमो भी देखा। उन्होंने संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि ट्रायल के दौरान सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर किया जाए और प्लांट का संचालन निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए।

नगर आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्लांट के संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कूड़े का पृथक्करण और उसका वैज्ञानिक प्रबंधन नगर निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए उपलब्ध संसाधनों और आधुनिक मशीनों का बेहतर उपयोग किया जाना जरूरी है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को ट्रायल के दौरान प्लांट की नियमित निगरानी करने और उसकी कार्यक्षमता पर नजर रखने के निर्देश दिए। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल के प्रयासों से शहर में कचरा प्रबंधन की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नई योजनाओं पर काम किया जा रहा है।




ई-रिक्शा हटाने को कहा तो पार्षद के निजी सुरक्षा कर्मी पर चाकू से हमला

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा हटाने को लेकर हुए विवाद में पार्षद रवि भाटी के निजी सुरक्षा कर्मी दीपक सिंह पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि चार युवकों ने पहले उनके साथ गाली-गलौज की और विरोध करने पर एक युवक ने धारदार हथियार से उनके पेट पर कई वार कर दिए। हमले में दीपक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने एक आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दो नामजद समेत तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। शालीमार गार्डन मेन के बी-183 निवासी दीपक सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 23 नवंबर की देर रात वह जीजी फॉर्म हाउस के खत्ते से भाटी ऑफिस की तरफ आ रहे थे। भाटी गेट के पास ई-रिक्शा के कारण जाम लगा हुआ था। उन्होंने ई-रिक्शा चालक से जाम खुलवाने के लिए रिक्शा किनारे लगाने को कहा। इसी बात पर वहां मौजूद चार युवक उनके साथ गाली-गलौज करने लगे। दीपक ने विरोध किया तो एक युवक ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और कहा कि वह भाटी के साथ रहता है। इसके बाद आरोपियों ने एक राय होकर उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। एक युवक ने उनके पेट पर चाकू से कई वार किए। हमले के बाद दीपक ने तत्काल पुलिस सहायता नंबर 112 पर कॉल की। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने एक आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।